प्रशासकीय समिति के सदस्य

श्री .... (अध्यक्ष)
श्री जे. के. कपूर
डॉ. सतीश कुमार शर्मा
डॉ. डी. वी. सेठी
डॉ. एम. सी. शर्मा
डॉ. बी. सी. जोशन
प्रो. अनुपम चटोपाध्याय
श्री. राजीव रतन
डॉ. ईशा वर्मा
डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता(प्राचार्य, सांध्य कॉलेज)
डॉ. मुकेश अग्रवाल (प्राचार्य, प्रातः कॉलेज)

श्री अजय सूरी (कोषाध्यक्ष)
श्री आर. के. सेठी
श्रीमती रीता गुप्ता
श्री अरविंद घई
डॉ. शांति स्वरूप खन्ना
श्री आर. सी. जीवन
प्रो. रीना चक्रवर्ती
श्री वरुण गौत्तम
डॉ. विपिन प्रताप सिंह
श्री पवन कुमार मैठानी
श्री राजेश खन्ना

कार्यक्रम तिथि-...........

मुख्य अतिथि
श्री.....................
(माननीय, ...)

अध्यक्षता
श्री ....
(अध्यक्ष, प्रशासकीय समिति)

वार्षिक विवरण प्रस्तुति
डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता
(प्राचार्य)

वार्षिक विवरण लेखन
डॉ. अनिल कुमार सिंह

मान्यवर,

मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी संस्था के वर्तमान स्वरूप के पीछे वास्तव में उसके पूर्व पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सहयोगियों का योगदान और शुभाशीष होता है, इसलिए मैं आज कॉलेज के सभी पूर्ववर्ती प्राचार्यों, प्रशासकीय समिति के अध्यक्षों और सदस्यगणों को अत्यंत श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिनके आशीर्वाद से हमारा कॉलेज निरंतर प्रगति कर रहा है और शिक्षा जगत में एक विशेष स्थान बनाने में सफल हुआ है।

शिक्षा का उद्देश्य बहुत व्यापक होता है। अनेक विद्वानों और शिक्षाविदों ने इस विषय पर अलग-अलग संदर्भों में अपने विचार रखे हैं। किन्तु सभी इस बात पर एकमत हैं कि शिक्षा का उद्देश्य एक ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना है, जिसकी नींव सकारात्मक सोच और व्यवहार पर आधारित हो।

....

....

....

आदरणीय ...., आपका व्यक्तित्व सादा जीवन उच्च विचार से अनुप्रेरित रहा है। आपकी पहचान एक प्रसिद्ध चिंतक, शिक्षाविद और सक्रिय समाजसेवी के रूप में है। आप समाज और देश के प्रति अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण और सेवा भाव से निभाते रहे हैं। आपको मुख्य अतिथि के रूप में पाकर हमें अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। आज आपके विचारों से निश्चित ही हम सब अत्यंत लाभान्वित होंगे।

....

....

प्राध्यापक वर्ग की उपलब्धियाँ

हमारे कॉलेज में इस समय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतर्गत कुल 80 प्राध्यापक कार्यरत हैं। विगत वर्षों की तरह इस साल भी हमारे योग्य एवं कर्मठ प्राध्यापकों ने शिक्षा, साहित्य, समाज आदि विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है -

- **अंग्रजी विभाग**
  - **श्रीमती प्रियंका चटर्जी-** कॉलेज के आंतरिक गुणवता प्रमाणन प्रकोष्ठ और अनुसंधान एवं परमर्श प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में आई.सी.टी. अकादमी, भारत के सहयोग से 26 से 31 अगस्त 2019 तक 'Communication Skills and Teaching Techniques' विषय पर आयोजित एक सप्ताह के संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में भाग लिया। वे मानव संसाधन विकास मंत्रालय के गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेंटर और एस.जी.टी.बी. खालसा कॉलेज के द्वारा 15 अप्रैल 2020 को 'ICT Enabled Higher Education in India: Challenges and Opportunities' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय वेबनायर में शामिल हुईं।
  - **श्री अनिल कुमार स्वदेशी** - वर्ष 2019 में इनकी ‘Importance of Multilingual Approaches to Language Learning in Schools) ’In Recent and Changing Trends in Management, Economics, Commerce, Social Sciences and Humanities(शीर्षक पुस्तक का शंलक्ष प्रकाशन , मदुरै से प्रकाशन हुआ। फिर इनकी 2020 में ‘A Critique of English Language Teaching-Learning at Government Schools in India with Reference to Rod Ellis’s Principles of

Instructed Second Language Learning) 'In Emerging Trends in ELT (शीर्षक पुस्तक रूद्र प्रकाशन ,कपिल नगर से प्रकाशित हुई। पुनः इसी साल 2020 में इनकी' Use of Woman Body as Landscape for Ideological Purposes in Roxane Gay's An Untamed State 'शीर्षक पुस्तक विश्व भारती शोध केंद्र ,लातूर से प्रकाशित हुई। इन्होने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्यामलाल कॉलेज द्वारा 9-10 जनवरी, 2020 को "Through a (new) Looking Glass: Challenges for Women in the 21st Century "विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में "Representation of Women in Kangri Folk Songs: An Analysis of Two Songs" शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया। गुजरात विश्वविद्यालय,नायरंगपुरा, अहमदाबाद द्वारा संचालित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- **अर्थशास्त्र विभाग**

- **श्रीमती गीता आहूजा-** जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र (HRDC) के द्वारा 'पर्यावरण अध्ययन' विषय पर 15 जुलाई 2019 से 26 जुलाई 2019 तक आयोजित अंतरानुशासनिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सहभागिता की एवं A ग्रेड प्राप्त किया। Institute of Company Secretaries of India (ICSI) के द्वारा 17-09-2019 को पार्क होटल, नई दिल्ली में 'Empowering Educators' विषय पर टीचर्स कॉन्फ्रेंस/ संकाय संवर्धन कार्यक्रम (FDP) में भाग लिया। 31जनवरी2020 को औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (ISID) और शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रुप से 'Catching up in the Digital Economy: Identifying India's Policy Gaps and Challenges' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में हिस्सा लिया।

- **श्रीमती दीपिका शर्मा-** अपने कॉलेज के आंतरिक गुणवता प्रमाणन प्रकोष्ठ और अनुसंधान एवं परमर्श प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान और **ICT** अकादमी के सहयोग से ***26 से* 31 *अगस्त 2019*** तक 'Communication Skills and Teaching Techniques' विषय पर आयोजित एक सप्ताह के संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में भाग लिया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन स्थापित मदन मोहन मालवीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्, रामानुजन कॉलेज के द्वारा 21 मई 2019 से 21 जून 2019 तक संचालित चार सप्ताह के इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम में भाग लिया। साथ ही अपैल महीने में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा आयोजित वित्तीय शिक्षा कार्यक्रम-2019 में भाग।

- **इतिहास विभाग**

- **नागेन्द्र शर्मा** -झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची द्वारा अगस्त 2019 में अतिथि के रुप में के रूप में आमंत्रित किए गए। छत्तीसगढ़ इतिहास परिषद एवं VYT स्नातकोत्तर स्वायत्त महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा 28-29 फरवरी 2020 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'छतीसगढ़ में गाँधी की विरासत' शीर्षक एक शोध आलेख प्रस्तुत किया एक सत्र की अध्यक्षता की।

- **मोतिउर रहमान खान** -बौद्ध दर्शन विद्यालय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध अध्ययन विद्यालय, सांची बौद्ध विश्वविद्यालय-इंडिक अध्ययन, रायसेन, मध्य प्रदेश के द्वारा 26 -27 नवंबर, 2019 को 'प्रारंभिक बौद्ध धर्म का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक केंद्रीय विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संघर्ष,नियोजन और स्मृतियाँ: बौद्ध धरोहर और महाबोधि तीर्थ' विषय पर व्याख्यान दिया।

- **डॉ. श्रुति विप-** यू.जी.सी. के सी.ई.सी.,आई.यू.ए.सी. के द्वारा अप्रैल 2019 में आयोजित कार्यक्रम में 'Queens and Issues of Identity in Indian History' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- **गणित विभाग**

- पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (प्रात:कालीन) के गणित विभाग द्वारा 'National Conference on Advances in Mathematics: Analysis and its Applications' विषय पर आयोजिततीन-दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में डॉ. जगमोहन राय, श्रीमती उदिता अग्रवाल, श्री हरि प्रताप, श्री आदित्य प्रताप सिंह, डॉ. दीपक कुमार पोरवाल, श्री उदय शर्मा एवं डॉ. कामिनी रावत ने भाग लिया।
- पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) के आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ, अनुसंधान और परामर्श प्रकोष्ठ के संयुक्त प्रयास और **ICT** अकादमी के सहयोग से **26 से 31 अगस्त 2019** तक ***'Communication Skills and Teaching Techniques'*** विषय पर आयोजित एक सप्ताह के संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में इस विभाग के श्री उदय शर्मा एवं डॉ. कामिनी रावत ने भाग लिया।
- **डॉ. जगमोहन राय-** पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (प्रात:) के गणित विभाग द्वारा 'National Conference on Advances in Mathematics: Analysis and its Applications' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में "Role of Mathematics in the Entertainment Industry" विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में वक्तव्य दिया। पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के हिंदी विभाग द्वारा "साहित्य और सत्ता" विषय पर आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय-कांफ्रेंस में आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया तथा "सत्ता, भाषा और ग़ज़ल" नामक विषय पर वक्तव्य दिया। जानकी देवी महाविद्यालय की मैथमेटिक्स सोसाइटी 'रेडिएंस' के निमंत्रण पर उनके द्वारा आयोजित 'ExpertTalks' कार्यक्रम में "Mathematics in the Entertainment Industry: The Art and Science of Animation" विषय पर वक्तव्य दिया। डी.ए.वी. कॉलेज मैनेजिंग समिति के 'DAV Centre For Academic Excellence', चित्रगुप्त रोड द्वारा, डी.ए.वी. स्कूलों के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की 11वीं और 12वीं कक्षाओं के शिक्षकों के लिए Capacity Building programs संचालित करने के लिए Master Trainers तैयार करने के लिए आयोजित दो कार्यशालाओं में Resource Person के रूप में 'Real Life Application of Abstract Mathematics' तथा ' Career Options based on Mathematics Learning at Senior Secondary Level' में बीज वक्तव्य दिए। UGC द्वारा स्थापित CEC - Consortium of Educational Consortium, के द्वारा प्रारंभ किए गए उपक्रम CEC Gurukul Live के अंतर्गत मई 2019 से मार्च 2020 के मध्य तक वास्तविक जीवन में गणित के विभिन्न उपयोंगों पर लगभग 30 विडियो लेक्चर रिकॉर्ड किए। इन व्याख्यानों का सीधा प्रसारण उच्च शिक्षा को समर्पित चैनल 'व्यास' पर तो किया ही जाता है; ये वीडियो लेक्चरस् YouTube पर भी उपलब्ध रहते हैं। मूलत: यह देशभर में विभिन्न विषयों में उच्च शिक्षा के लिए MOOCs (Massive Open Online Courses) तैयार करने के लिए MHRD की पहल के अंतर्गत किया जा रहा है। IGNOU के द्वारा CBCS के अंतर्गत अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रम में-Mathematical Methods for Economics-I, Mathematical Methods

for Economics-II, Data Analysis विषयों के लिए अंग्रेज़ी भाषा में तैयार की गयी पुस्तिकायों के लगभग 35 अध्यायों का हिंदी अनुवाद किया।

- **श्री हरि प्रताप**- सफदरजंग एन्क्लेव में स्थित NCC Group 'C' के 10 दिवसीय CATC Camp में भाग लिया। इन्होंने कॉलेज के फोटोग्राफी एवं फ़िल्म मेकिंग क्लब का संचालन किया।
- **श्री आदित्य प्रताप सिंह**- **इन्होंने** JIIT Noida **में** Ph.D. **में प्रवेश लिया तथा कोर्स वर्क के दो विषय उत्तीर्ण किए**।
- **श्री उदय शर्मा-** दिल्ली विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के द्वारा 13 से 15 जनवरी, 2020 को 'Data Science and Programming with Python' विषय पर आयोजित तीन-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
- **डॉ. कामिनी रावत -** रामानुजन कॉलेज के गणित विभाग के द्वारा 19 से 21, दिसम्बर 2019 को 'Applicable Mathematics (Theme: Network Science)' विषय पर आयोजित तीन-दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

➢ **राजनीति शास्त्र विभाग**

- **विनीत कुमार सिन्हा**- SAGE प्रकाशन से 2020 में प्रकाशित एक संपादित पुस्तक में दक्षिण भारत के केरल राज्य के समाज सुधारक "महात्मा अय्यांकाली" पर आलेख छपा है। को पी जी डी ए वी महाविद्यालय सांध्य के हिन्दी विभाग द्वारा 21-22 अक्टूबर 2019 को "साहित्य और सत्ता" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में "महाभोज: राजनीतिक विमर्श" विषय पर अपना शोध आलेख पढ़ा है। एक शोध आलेख पूर्ण होकर छपने को तैयार है और दूसरा लिखना जारी है।

➢ **वाणिज्य विभाग**

- **डॉ. रुचिरा पाठक** - कॉलेज के अनुसंधान एवं परामर्श प्रकोष्ठ के संयोजक के रूप में 26 से 31 अगस्त, 2019 तक "संचार कौशल और शिक्षण तकनीक" पर एक-सप्ताह के संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन किया। साथ ही 21 अक्टूबर 2019 से 14 मार्च, 2020 तक छात्रों के लिए वित्तीय साक्षरता में रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सचालन किया। जून 2019 को गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली द्वारा आयोजित ए.डब्ल्यू.एस.-क्लाउड मास्टर पर एक दिवसीय संकाय संवर्द्धन पाठ्यक्रम में भाग लिया। 11 दिसंबर 2019 को AICTE, नई दिल्ली में आयोजित आईसीटी अकादमी सम्मेलन 'ब्रिज-2019' (**Industry-Institute interaction event**) दिल्ली संस्करण में भाग लिया। 17 फरवरी, 2020 को आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज और वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विभाग-कॉलेज इंटरफ़ेस के तहत '***Corporate Laws***' प्रश्नपत्र से संबंधित दिशा-निर्देशों की एक आवश्यक बैठक में भाग लिया गया।
- **श्री रमेश कुमार**- जीसस और मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, के पर्यावरण विभाग द्वारा 21 जनवरी 2020 को 'National Resources Management for Sustainable Development' (NRMSD-2020) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में "Electronic Wastage: A challenges of Green Economy" शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया मानव संसाधन विकास मंत्रालय के 2019-20 सत्र में

(ARPIT-2020) संचालित वाणिज्य से संबद्ध Annual Refresher Programme in Teaching में भाग लिया एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त किया टीचिंग (ARPIT 2020) में वार्षिक रिफ्रेशर प्रोग्राम में भाग लिया और उसे योग्य बनाया, कॉमर्स सत्र 2019-20 के लिए MHRD द्वारा ऑनलाइन आयोजित किया गया। सिम्बायोसिस प्रबंधन अध्ययन केंद्र, नोएडा द्वारा 21 फरवरी 2020 को अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (INCONSYM2020) में "Challenges of Digital Payment system Post Demonetization" विषय पर शोध आलेख प्रतुत किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा यूजीसी के सौजन्य से 28 -29 29 फरवरी 2020 को 'Changing Business Environment in India: Challenges and Opportunities' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में "Modern Payment System Challenges in India" शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। दयानंद विश्वविद्यालय के व्यावसायिक एवं संबद्ध शिक्षा केंद्र, गुरुग्राम द्वारा 12-13 मार्च 2020 को ICSSR (North Western Regional Centre, Chandigarh) के सहयोग से 'Skills development and Startups in Agriculture and Allied Sector' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर-अनुशासनिक कॉन्फ्रेंस में "Women Empowerment through Entrepreneurship and Startups" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया। इंडियन एकेडमिक रिसर्चर्स एसोसिएशन, इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन और तिरुचिरापल्ली शाखा, तमिलनाडु, भारत के द्वारा 6-12 अप्रैल, 2020 तक 'सामाजिक विज्ञान की अनुसंधान पद्धति' विषय पर ऑनलाइन संचालित एक सप्ताह के पाठ्यक्रम में भाग लिया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा के संकाय संवर्द्धन केंद्र के द्वारा "MOOCs and E- learning Technologies" विषय पर 10-15 अप्रैल तक ऑनलाइन प्रायोजित एक सप्ताह के संकाय संवर्द्धन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- **डॉ. कृष्णा शुक्ला-** पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज(सांध्य) द्वारा आयोजित सात दिवसीय एफडीपी में भाग लिया। 'गुरु नानक देव : जीवन मूल्य दर्शन' Intenational Journal of Innovative Social Sciences Research, Special Issue, ISSN:2349-1876, Volume-VI, Issue-IV, Oct-Dec 2019. गुरु नानक देव सामाजिक समरसता के पर्याय नामक पत्र प्रकाशित हुआ। PGDAV (Eve) College द्वारा आयोजित international conference में 'वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में गुरु नानक देव जी का जीवन दर्शन' पत्र प्रस्तुत किया।

- **श्रीमती सोनिका नागपाल** एवं **श्री केवल सिंह** ने 15 अप्रैल 2020 को 'ICT Enabled Higher Education in India: Challenges and Opportunities' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय वेबनायर में शामिल भाग लिया।

- **हिंदी विभाग**

- **डॉ. रुक्मिनी**- विश्व जनसंख्या दिवस के शुभ अवसर पर International Association of Education for World Peace (Affiliated to United Nations) के द्वारा 11 जुलाई 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'विश्व महिला सशक्तिकरण सम्मेलन 2017' में 'राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण एवं विकास' सम्मान प्रदान किया गया। अखिल भारतीय मूल्य और संसाधन विकास संस्था द्वारा 25-26 अगस्त 2017 को 'Sexual Harassment of Women At Work Place : Prevention, Prohibitional Redressal' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में भाग लिया। 3

नवंबर 2017 को 'भक्तिकालीन कविता : भारतीय संस्कृति के विविध आयाम' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया एवं एक सत्र का संचालन किया।

- **डॉ. आशा रानी -** इस सत्र में गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर आधारित इनके दो शोध-आलेख 'एक पिता एकस के हम बारिक', 'एक नूर ते सब जग उपज्या, प्रकाशित हुए। इनके संयोकत्व में पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सौजन्य से 21-22 अक्टूबर 2019 को 'साहित्य और सत्ता' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- **डॉ. हरीश अरोड़ा-** राजकीय कन्या महाविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 13 नवम्बर, 2019 को 'साहित्य समाज और मीडिया' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बीज वक्ता' के रूप में अपना व्याख्यान दिया। इन्होंने गुरुग्राम विश्वविद्यालय तथा विश्व हिन्दी साहित्य संस्िान, कनाडा के संयुक्त आयोजन में 'वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भगवत गीता का दृष्टिकोण और हिन्दी' विषय पर 6 दिसम्बर, 2020 को आयोजित एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बीज वक्ता' के रूप में अपने विचार रखे। इनके द्वारा वागीश्वरी साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थान द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिन्दी भाषा और सांस्कृतिक चिन्तन विषय पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने विचार रखे गए। इन्होंने लक्ष्मीबाई महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से 17-18 जनवरी, 2020 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी का सांस्कृतिक चिन्तन और भारत बोध' विषयक सत्र की अध्यक्षता करते हुए अपने विचार रखे। 'दर्शन और साहित्य का सम्बन्ध' विषय पर सत्यवती कॉलेज द्वारा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 3 मार्च, 2020 को आयोजित एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में इन्होंने 'विशिष्ट वक्ता' के रूप में अपना वक्तव्य दिया। इनके निर्देशन में डॉ- प्रीति अग्रवाल ने समकालीन हिन्दी उपन्यास: आज के विमर्श और यथार्थ तथा डॉ- मनोरमा देवी ने 'ब्रज लोकगीतों का संचयन और सांस्कृतिक अध्ययन' विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप का कार्य पूर्ण किया। इनके निर्देशन में जसविंदर कैंथ ने 'राजी सेठ की कहानियों में युग चेतना' विषय पर मोनाड विश्वविद्यालय, चित्तोगढ़ से पी-एच-डी- की उपाधि प्राप्त की। इनकी चार कविताओं 'जीवेम शरदः शतम, मुट्ठी भर छाया आँगन भर धूप, धूप का आमंत्रण तथा अराजक कवि' को रानी चेनम्मा विश्वविद्यालय, बेलगामी (कर्नाटक) के बी-एस-सी- (प्रथम वर्ष) के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया।
- **डॉ. अनिल कुमार सिंह-** 7 नवंबर 2017 को आत्मा राम सनातन कॉलेज द्वारा 'अस्मितामूलक विमर्श ; विविध आयाम' विषय पर आयोजित एक दिवसीय और 20-21 नवंबर 2017 को हंसराज कॉलेज द्वारा 'सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम में हिंदी शिक्षण के नवीन आयाम और अध्ययन-अध्यापन की चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित दो दिवसीय संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में भाग लिया। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के द्वारा 06 से 10 मार्च 2017 तक 'लैंगिक जागरूकता' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय लघु अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया। तदंतर दिल्ली विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के द्वारा 20 से 26 मार्च 2017 तक 'शोध प्रविधि' विषय पर आयोजित छह दिवसीय लघु अवधि पाठ्यक्रम में भाग लिया। महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के लिए चार अध्यायों का लेखन।

❖ **डॉ. डिंपल गुप्ता** - पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) के IQAC और ICT Academy के सहयोग से दिनांक 26-31 अगस्त 2019 को आयोजित एक सप्ताह के FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME में भाग लिया जिसका विषय था "COMMUNICATION SKILLS AND TEACHING TECHNIQUES।" 18-19 अक्टूबर 2019 को पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) तथा दक्षिण फाउंडेशन दिल्ली के सहयोग से "गुरु नानक देव : जीवन मूल्य और दर्शन" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "नानक देव का काव्य : सामाजिक चेतना" विषय पर अपना प्रपत्र प्रस्तुत किया जो INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE SOCIAL SCIENCE AND HUMANITIES RESEARCH में प्रकाशित हुआ। पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) के हिंदी विभाग और विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से 21-22 अक्टूबर 2019 को 'साहित्य और सत्ता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भाग लिया और "पितृसत्ता और स्त्री" विषय पर अपना शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया। नव उन्नयन साहित्यिक सोसायटी एवं केंद्रीय हिंदी निदेशालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से 4 मार्च 2020 को "भारतीय संत काव्य परम्परा और श्री गुरुनानक देव" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 'गुरुनानक देव के साहित्य में मानव मूल्य' विषय पर शोध आलेख प्रस्तुत किया।

➢ **संस्कृत विभाग**

❖ **डॉ. सत्यकाम शर्मा** - 9 से 11 नवंबर को संस्कृत भारती द्वारा दिल्ली के छतरपुर मंदिर में "विश्वसंस्कृतसम्मेलन" में मार्कण्डेय मण्डप में 'अभिलेख संग्रह' का कार्यभार ग्रहण किया। तदंतर 18/9/2019 से 22/9/2019 तक आर्य समाज मंदिर जी०टी०बी० नगर, दिल्ली एवं संस्कृत भारती, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर तथा विभिन्न महाविद्यालयों के संस्कृत छात्रों के ऐतिहासिक संस्कृत प्रशिक्षण शिविर का समायोजन एवं संयोजन किया। 15/02/2020 से 21/02/2020 तक आर्य समाज मंदिर जी०टी०बी नगर, दिल्ली एवं संस्कृत भारती द्वारा आयोजित 'कारक प्रशिक्षण शिविर' का समायोजन किया। "मेरी स्वदेश यात्राएँ" नामक पुस्तक प्रकाशनाधीन है, जिसमें गुजरात एवं उत्तर-पूर्व के राज्य असम और मेघालय का स्थानीय आँखों देखा वृत्त है ।

❖ **डॉ. योगेश शर्मा** -13 अक्टूबर 2019 को देववाणी परिषद् दिल्ली के 32वें पण्डितराज महोत्सव में विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया। 3 नवंबर 2019 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से "वाक्यपदीय के साधनसमुद्देश पर अम्बाकर्त्रीटीका का समीक्षात्मक अध्ययन" विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। 9 से 11 नवंबर 2019 को संस्कृत भारती द्वारा दिल्ली के छतरपुर मन्दिर में "विश्वसंस्कृतसम्मेलन" में 'अभिलेख संग्रह' का कार्यभार सम्भाला। 5-7 दिसम्बर 2019 को वाइडर एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज़ (WAVES) और इंदिरा गाँधी नेशनल सेंटर फॉर दी आर्ट्स (IGNCA), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 23 वीं इंडिया कांफ्रेंस में वैदिक ज्ञान-संपदा एवं नारी:समकालीन परिप्रेक्ष्य विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया.

शारीरिक शिक्षा विभाग

- डॉ. प्रमोद कुमार सेठी- **इस वर्ष इनकी पुस्तक** Learn to Play Weightlifting **प्रकाशित हुई** दिल्ली विश्वविद्यालय के University College of Medical Sciences, (UCMS) के द्वारा 20-21 अगस्त 2019 को यूजीसी के सहयोग से Latest Trends in Health & Physical Education विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की और 'Planning in Sports: Recent Practices and Recommendations' **शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया**. नवयोग ग्राम और योग-खेल संघ के द्वारा 16-18 नवंबर 2019 को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सौजन्य से **'**Naturopathy and Holistic Health Fitness for Performance' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस एवं महोत्सव में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की.. **पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला के शारीरिक शिक्षा विभाग और पंजाब के खेल मनोविज्ञान संघ के संयुक्त तत्वाधान में '**Psychology in Contemporary Sports, Health and Fitness Perspective' **विषय पर 28-30 नवंबर 2019 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में** 'Daily Energy Expenditure and Physiological Impact on School Children's in India' **और सह-लिखित** 'Comparison of Yoga, Sports Person and Sedentary Males on Breathing Variable' **और '**Role of Yoga in Sports man's Performance' **शीर्षक शोध आलेखों को प्रस्तुत किया...** अदिति महिला महविद्यालय द्वारा 28-29 जनवरी 2020 को 'Yoga & its Potential to Heal the Planet' **विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के एक सत्र की अध्यक्षता की...**वार्षिक रेफर्ड & पीयर रिव्यू ऑनलाइन जर्नल 'IJMESS' में प्रकाशित **'**A Comparative Study of Physical, Physiological and Psychological Profile of School Going Boys and Girls**' और** 'A Broad Study on Menstrual Trend among School Girls**' शोध-पत्रों का सहलेखन..**यूजीसी द्वारा स्वीकृत रेफर्ड 'International Journal of Physiology, Nutrition and Physical Education' में **'**Comparison of Physically Active and inactive Males on breathing variables' **शीर्षक सह-लिखित शोध-पत्र का प्रकाशन..** दिल्ली विश्वविद्यालय के इंदिरा गाँधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान द्वारा 10-12-2019 को 'A Psychology Perspective of Suicide in Sports & Therapist Confrontation in Sports Psychology Practices' विषय पर आयोजित इंडो-ऑस्ट्रेलिया कॉन्क्लेव में भाग लिया.

पुस्तकालय एवं वाचनालय

शिक्षा संस्थान में पुस्तकालय रीढ़ की हड्डी के समान कार्य करता है और पुस्तकालय के बिना किसी शैक्षणिक परिवेश की पूर्णता की कल्पना करना संभव नहीं है। वस्तुतः पुस्तकालय कल्पवृक्ष की तरह होता है जिसके प्रभाव क्षेत्र के अधीन होकर ज्ञान का साधक मनोनुकूल फल प्राप्त करता है। अति प्राचीन सामग्री से लेकर एकदम आधुनिक शोधों/आविष्कारों के लिखित,अंकित एवं प्रकाशित दस्तावेजों को हम पुस्तकालय के माध्यम से बड़ी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा संस्थान में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी सबके लिए पुस्तकों की जरुरत को पुस्तकालय ही पूरा करता है। निश्चित ही पुस्तकालय के सहयोग से ही हम शिक्षा के वास्तविक लक्ष्य पूरा करते हैं। हमारे कॉलेज का पुस्तकालय इस दृष्टि से पूरी तरह सक्षम कहा जा सकता है। 27 मार्च 2018 तक की गणना के अनुसार पुस्तकालय में इस समय विभिन्न विषयों से संबंधित 55217 पुस्तकें हैं। 2017-18 के शैक्षणिक सत्र में कुल 2,53,258/-रूपये (मूल्य) की 890 पुस्तकें खरीदी गई हैं। इस

वर्ष पुस्तकालय मद में कुल 9,04,396/-रुपये के व्यय का अनुमान है। वाचनालय में संस्कृत,हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं के 75 दैनिक,साप्ताहिक एवं मासिक पत्र-पत्रिकाएं नियमित रुप से उपलब्ध रहती है।

पुस्तकालय के महत्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 27 मार्च 2018 तक प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा 136490 बार पुस्तकें पढ़ने के लिए निकलवाई गई। कॉलेज में पुस्तकालय संबंधी सेवाएं दोपहर 1.30 से रात्रि 8.15 बजे तक उपलब्ध रहती है, लेकिन आनेवाली परीक्षाओं को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों की अध्ययन-सुविधा के लिए परीक्षा से एक माह पूर्व से पुस्तकालय सेवाओं को प्रातः 9 बजे से शुरू कर दिया जाता है। पुस्तकालय को अत्यधिक उपयोगी बनाने के लिए कम्प्यूटर की सुविधा भी प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को ई-सेवा (ई-बुक्स & ई-जर्नल) का अधिक से अधिक तथा निशुल्क लाभ देने के लिए पुस्तकालय ने सितंबर 2017 में N-LIST(National Library and Information Services Infrastructure for Scholarly Content, INFLIBNET (Information and Library Network Centre, Gandhi Nagar, Gujarat), की संस्थागत सदस्यता ली है। N-LIST के माध्यम से उपयोगकर्ता कभी भी, कहीं से भी 600 से अधिक ई-जर्नल्स एवं 1,35,000 से अधिक ई-पुस्तकों का लाभ ले सकता है।

कॉलेज पुस्तकालय के द्वारा वर्तमान लॉकडाउन के संकट में सभी शैक्षिणिक,गैर-शैक्षिणिक, सेवानिवृत्त, प्रशासकीय सदस्यों को वाट्स एप्प पर हिंदी व अंग्रेजी के लगभग दस ई-न्यूज पेपर और कई ई-पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध करवायी जा रही हैं। कॉलेज के दो हजार विद्यार्थियों को उनकी ई-मेल पर कॉलेज पुस्तकालय द्वारा कॉलेज के कम्प्यूटर विभाग के सहयोग से ई-न्यूज-पेपर और ई-पत्रिकाएं उपलब्ध करवायी जा रही हैं। सभी संकाय सदस्यों को दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय सिस्टम से प्राप्त विद्यार्थियों के बिषय से संबंधित ई-लिंक भी उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। नेत्रहीन विद्यार्थियों को अध्ययन में सहयोग देने के उद्धेश्य से उनको नि:शुल्क डेजी (DAISY) सोफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध की गई है। कॉलेज के अनेक विद्यार्थियों की मांग पर उनकी ई-मेल पर उन्हें उनके पाठ्यक्रम से संबंधित पुराने प्रश्न-पत्र उपलब्ध करवाये गये। अनेक संकाय सदस्यों को पी.डी.एफ. के रूप मे बिषय सामग्री उपलब्ध करवायी जा रही हैं।कॉलेज पुस्तकालय द्वारा कॉलेज के सभी विद्यार्थियों को बहुउपयोगी स्मार्ट परिचय पत्र जारी किया जाता है। पुस्तकालय में अनुशासन बनाने की दिशा में जहां 16 सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाये हुऐ हैं वहीं इस वर्ष विद्यार्थियों से सीधे संवाद के उद्धेश्य से पुस्तकालय में दो माइक भी लगायें गयें हैं। पुस्तकालय का पूर्ण कप्यूटराइज व वातानुकूलित होने से दाखिले के समय पुस्तकालय अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जो कि दाखिले के समय छात्रों के लिए बहुत ही आरामदायक साबित हुआ।

<u>पुस्तक निधि</u>

कॉलेज में पुस्तक निधि की स्थापना सन् 1975 ई. में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 15000/रुपये की सहायता राशि के साथ की गई थी।इस समय इस निधि में 1335 पुस्तके हैं। इस निधि से पूरे साल कॉलेज के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये पुस्तके प्रदान की जाती हैं।

<u>विद्यार्थी सहायता कोष</u>

इस कोष की स्थापना सन् 1958 ई.में की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य निर्धन-मेधावी विद्यार्थियों को पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें प्रदान करना है। इस समय इस कोष में 4362 पुस्तकें हैं। इस साल पुस्तक निधि और कोष से 102 विद्यार्थियों को कुल 321 पुस्तकें प्रदान की गईं।

<u>अनुसूचित जाति एवं जनजाति</u>

इस वर्ष अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अन्तर्गत कुल 144(121+23) विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया।

<u>अन्य पिछड़ा वर्ग</u>

भारत सरकार की आरक्षण संबंधी संवैधानिक नीति के तहत् इस वर्ष कॉलेज में अन्य पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत 221 विद्यार्थियों को दाखिला प्रदान किया गया।

कॉलेज आर्काइव

कॉलेज के साठ साल के रिकार्ड्स को सुरक्षित रखने के लिए पुस्तकालय में आर्काइव की व्यवस्था की गई है , जिसके संयोजन के लिए इतिहास विभाग में कार्यरत श्री राजीव रंजन को दायित्व प्रदान किया गया है। इस आर्काइव में प्रशासनिक समिति, स्टाफ कॉन्सिल, स्टाफ एसोसिएशन, सभी विभाग के पाठ्यक्रमों एवं सभी गतिविधियों आदि से जुड़े दस्तावेज और चित्र सुरक्षित रखे गए हैं।

<u>छात्र-संघ</u>

परामर्शदाता - डॉ.विपिन प्रताप सिंह **सह परामर्शदाता-डॉ. मीना शर्मा**

इस वर्ष छात्र-संघ का चुनाव 12 सितंबर 2017 को सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद पर विशाल कसाना, उपाध्यक्ष पद पर अरुण कुमार, सचिव पद पर अनूप कुमार एवं सह-सचिव पद पर आदित्य राज का निर्वाचन हुआ। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए सागर भाटी और राहुल भाटी को केन्द्रीय पार्षदों के रूप में चुना गया। अक्टूबर महीने में छात्र-संघ की ओर से डी.जे. सेशन का आयोजन किया गया। इस वर्ष छात्र-संघ के सदस्यों ने कॉलेज के द्वारा आयोजित सभी अकादमिक और सांस्कृतिक समारोहों में संतोषजनक सहयोग किया।

<u>अंग्रेजी परिषद्</u>

संयोजिका - श्रीमती प्रियंका चटर्जी **छात्र प्रतिनिधि-सचिन महलावत**

सत्र के आरंभ में अंग्रेजी परिषद् के द्वारा 2 नवंबर, 2019 को चार्ल्स डिकेन के सदाबहार उपन्यास **'Oliver Twist'** पर आधारित फ़िल्म की स्क्रीनिंग थी। यह उपन्यास बी.ए. (प्रो.), सेमेस्टर-5 में इंग्लिश डिसिप्लिन के रुप में निर्धारित है, लेकिन इस फ़िल्म का आनंद अन्य विधाओं के विद्यार्थियों ने भी भरपूर लिया।

इस वर्ष कॉलेज में महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज आधुनिक भारत के निर्माण के संदर्भ में उनके दृष्टिकोण एवं उनकी शिक्षाओं को हर भारतीय किसी न किसी रुप में स्वीकार करता है, लेकिन वर्तमान पीढ़ी अक्सर उन्हें 'पुराने स्कूल' की घोषित कर ख़ारिज करती है। इस परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजी साहित्यिक परिषद् 'एथेना' ने 5 नवंबर, 2019 को एक अंतर-विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित किया। इस वाद-विवाद प्रतियोगिता का प्रस्तावित विषय था - "सदन के मत में भौतिकवाद के इस आधुनिक युग में गांधीवादी विचारधारा वर्तमान पीढ़ी में खो दी है।"

इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भागीदारी की। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.के. गुप्ता ने आपने संबोधन में सत्य, अहिंसा एवं सत्याग्रह के मूल्यों और नैतिकता पर प्रकाश डाला, जिसे गांधी जी ने राष्ट्र और मानवता का मूल मंत्र माना था। इस प्रतियोगिता के लिए विभाग की डॉ. मीता भटनागर, श्री अनिल कुमार और डॉ. विपिन प्रताप सिंह निर्णायक मंडल के सदस्य थे। उन्होंने प्रतियोगिता के

अंत में विषय के पक्ष में विचार रखने के लिए लक्षिता मक्कर को और विषय के विरोध में विचार रखने के लिए आदर्श सिंह को सर्वश्रेष्ठ वक्ता के रुप में चुना। साथ ही आस्था नेगी को श्रेष्ठ प्रश्नकर्ता के रुप में पुरस्कृत किया गया और सभी विजेताओं को नकद राशि एवं प्रतीक चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर अंगेजी विभाग की प्रभारी सुश्री संगीता शर्मा एवं अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। इस आयोजन में परिषद् की संयोजिका सुश्री प्रियंका चटर्जी के प्रस्ताव से काम्या वहल ने प्रतियोगिता की सफलता के लिए सबके प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के अंतिम चरण में 'एथेना' के पदाधिकारियों की घोषणा भी हुई। सचिन मेहलावत और काम्या वहल को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के रुप में क्रमशः- शेख मिश्रा, प्रत्यूष सिंह और मृदुल मक्कर का चयन किया गया।

इतिहास परिषद् 'विरासत'

संयोजिका- डॉ. मृदुला अरोड़ा **छात्र प्रतिनिधि-**

इतिहास परिषद् 'विरासत' के द्वारा 6 नवंबर 2019 को बी.ए.(प्रो.)और बी.ए.(आनर्स) के जेनेरिक प्रश्नपत्र पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली स्थित लाल किला का भ्रमण किया गया। शाहजहाँ के साम्राज्य के अधीन सन् 1648 ई. में निर्मित लालकिला शाहजहाँबाद शहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।तत्कालीन शाहजहानाबाद शहर एक अर्ध-अण्डाकार आकार कर्मुका (धनुष) पर आधारित था जैसा कि मानसरा (400-600 ई.) वास्तुशास्त्र में दर्शाया गया था। इस तरह की नगर योजना नदी या समुद्र के किनारे निर्मित होने वाले भवनों के लिए सर्वथा उपयुक्त थी। इस शहर के अकबराबादी और कश्मीरी द्वारों को उत्तर-दक्षिण सड़क फैज़ बाज़ार से जोड़ती थी, जो धनुष स्ट्रिंग का प्रतिनिधित्व करता था। तुर्कोमन और अजमेरी गेट को जोड़ने वाली सड़कें लाहौरी फाटक के साथ लगी थीं तथा उत्तर-पूर्व में स्थित मोरी और लाहोरी फाटकों को जोड़ते हुए शहर की बाहरी दीवारों से जुडी थीं। ये धनुष की घुमावदार शाफ्ट के स्वरूप का प्रतिनिधित्व करती थीं। किले के लाहौरी गेट से शहर के लाहौरी गेट तक विस्तृत चांदनी चौक तीरंदाज के हाथ के समान दीखता था। कर्मुक योजना के अनुसार बसाए गए इस शहर में सबसे शुभ स्थान दो क्रॉस सड़कों का जंक्शन था। हिंदू गांव, कस्बे या शहर के रुप में इस स्थान पर एक मंदिर का कब्जा था। शाहजहाँबाद के चांदनी चौक और फैज़ बाज़ार के मिलन स्थल पर लाल किला स्थित था।

जब विद्यार्थियों को कक्षाओं में किला मुबारक (लाल किला) की भव्यता और महत्व के बारे में पढ़ाया गया तब उनके मन में उस ऐतिहासिक जगह के बारे में अधिक उत्सुकता हुई। जैसे ही छात्रों को टिकट खरीदने और सुरक्षा जांच की बहुत कठिनाइयों के बाद किले में प्रवेश किया मिला, उन्होंने वहाँ की इमारतों, मुगलों की जीवन-शैली और उनके राजनीतिक जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में पूछताछ शुरू कर दी। डॉ संजय कुमार ने उन इमारतों और 1857 ई. के विद्रोह के बाद उन इमारतों में किए गए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को इस बात से अवगत कराया कि शाहजहानाबाद शहर के लोगों किले को उस महान विद्रोह के लिए किस प्रकार की सजा का सामना करना पड़ा। शहर और किले में भारी बदलाव किए गए। इसके तहत अंग्रेजों द्वारा पवित्र इमारतों को नीलाम किया गया और किले के भीतर की संरचनाओं एवं इमारतों को क्षति पहुँचाकर दंडित किया गया, जिन्हें कभी शुभ माना जाता था। इतिहास विभाग के शिक्षकों के साथ 76 विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक यात्रा में भाग लिया।

कौटिल्य परिषद्

संयोजिका-श्रीमती गीता अहूजा

सत्र के आरंभ में कौटिल्य परिषद् के द्वारा 16-08-2019 को 'The fundamentals of Economics,part-2' किया गया, जिसमें टाइम-इंस्टीट्यूट के श्री अमित पोद्दार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया और अर्थशास्त्र के कई महत्वपूर्ण अवधारणाओं को बहुत ही सरल तरीके से समझाया। 2019 के सितंबरमहीने में इकोनॉमिक्स क्विज को दो चरणों में आयोजित किया गया था। 20 सितंबर को प्रारंभिक चरण और 23 सितंबर को अंतिम चरण था। इसमें छात्रों की कई टीमों (प्रत्येक टीम में तीन) ने भाग लिया। सभी प्रतियोगियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र और तीन सर्वश्रेष्ठ टीमों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। 1 सितंबर 2019 को रेलवे संग्रहालय की एक शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें सुश्री गीता आहूजा और सुश्री दीपिका शर्मा के सानिध्य में लगभग चालीस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने भारतीय रेलवे उद्योग और भारतीय रेलवे के इतिहास के बारे में बहुत कुछ सीखा।

2 मार्च, 2020 को एक सार्वजनिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें छात्रों ने अर्थशास्त्र के किसी भी पहलू पर शोध पत्र तैयार किया, जिसे उन्होंने मंच पर चुना और प्रस्तुत किया। इसका मूल उद्देश्य स्वतंत्र अनुसंधान को बढ़ावा देना और श्रोताओं के सामने बोलने के लिए उनमें आत्मविश्वास जगाना था। छात्रों ने विभिन्न आर्थिक मुद्दों पर स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त किए। तीन सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए और सभी प्रतियोगियों को भागीदारी के लिए प्रमाण पत्र भी दिए गए। सुश्री गीता आहूजा की संयोजकत्व में कौटिल्य परिषद इस वर्ष पुर्णतः सक्रिय रहा और इस कार्य में श्रीमती दीपिका शर्मा बहुत मददगार रहीं।

<u>गणित परिषद(Fractals)</u>

संयोजक- श्रीमती उदिता अग्रवाल **छात्र प्रतिनिधि- नितिन वर्मा**

प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी गणित परिषद (FRACTALS) के द्वारा इस शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 7 सितंबर को नव आगन्तुक छात्रों के लिए आयोजित स्वागत समारोह के माध्यम से की गई। विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए 15 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर दो लघु हिंदी फिल्मों की स्क्रीनिंग महाविद्यालय के सभागार में की गयी जिनमें से पहली फ़िल्म "रामानुजन" महान गणितिज्ञ रामानुजन के जीवन पर आधारित थी तथा दूसरी 'Role of India in Journey of Mathematics' थी. इन फिल्मों को गणित विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के छात्रों और प्राध्यापकों ने भी पसंद किया।

गणित परिषद् ने 19 अक्टूबर को 'FUN WITH MATHEMATICS' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें गणित पर आधारित भाँति - भांति की मनोरंजक Inter colleges प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। इनमें से Mathematical Relay, Mathematics by Action और Mathematical Tam bola सबके आकर्षण का केंद्र रहीं। गणित परिषद के द्वारा शीघ्र ही मुख्य कार्यक्रम "Mathematics Day' का आयोजन किया जाएगा।

वाणिज्य परिषद्

संयोजिका - डॉ. कृष्णा शुक्ला **छात्र प्रतिनिधि- भव्य मेंहदीरत्ता**

सत्र के आरंभ में 14 सितंबर 2019 को प्रथम वर्ष के छात्रों का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। परिषद् की ओर से कॉलेज के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों व सुरक्षाकर्मियों के लिए 25 सितंबर 2019 को

एसआरसीसी के साथ मिलकर 'उम्मीद' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें विभिन्न सरकारी वित्तीय योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ अपने अथक परिश्रम से अर्जित आय की बचत, उसके सुरक्षित निवेश एवं उससे प्राप्त होने वाले अच्छे परिणामों के बारे में बताया गया ताकि उन्हें उचित प्रतिफल प्राप्त हो सके।15 अक्टूबर 2019 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें वक्ता के रूप में सी.ए. रोहित सलूजा को आमंत्रित किया गया था,जो हमारे विभाग के विद्यार्थी भी रह चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ITR-2 कैसे फाइल की जाती है? इसके बारे में विस्तार से बताया। 15 जनवरी 2020 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय 'Assentials of Start-Up' था। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में कुमारी प्रीति सिंघल आमंत्रित थी, जो 'एजुकेशन ट्री' एवं 'ओरिएंडा' की संस्थापिका हैं। 20 फरवरी 2020 को विभाग के वार्षिक उत्सव COMMANTRA-2020 का आयोजन किया गया, जिसकी थीम 'SPECTRAM-COLOURS OF COLLEGE LIFE' रखा गया था। इसमें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों प्रकार की प्रतियोगिताएं सम्मिलित की गई थीं। इन प्रतियोगिताओं में 25 महाविद्यालयों के 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुल 10 प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में Indian Importers Chamber Commerce and Industries के अध्यक्ष श्री अतुल सक्सेना थे।

वाणिज्य परिषद् ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 13 प्रमुख कॉलेजों के साथ Collaboration किया। इस सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने फेसबुक पेज एवं इंस्टाग्राम पर Economic Crisis, Devastating Amazon Forest Fire, Indian Air Force Apache, Plastic Bags Banned, chandrayaan-2, Jio Fiber Net, Time Management, Arpit Programme-2018-जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ब्लॉक लिखे, जिन्हें 1000 से ज्यादा लोगों ने पढ़ा एवं लाइक किया।

इस वर्ष परिषद के विद्यार्थियों ने भी बहुत उपलब्धियां हासिल की। अध्यक्ष भव्य मेहंदीरता ने श्री नीतीश बाग्दी के नेतृत्व में 7th Annual International Commerce Confrence में एक पेपर पढ़ा। परिषद के ईशान शर्मा, हेमंत बिष्ट, मृदुल मक्कड़, शशांक पाठक, प्रशांत कुमार मिश्रा, नवनीत कुमार एवं शिवानी रावत ने विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लिया एवं 25 से ज्यादा पुरस्कार अर्जित किए। परिषद ने ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी आयोजित की। सभी छात्रों के परिश्रम से वाणिज्य विभाग के वार्षिक उत्सव में खर्च के लिए लगभग ₹19000 के फंड अर्जित किए गए।

<u>राजनीतिशास्त्र परिषद्- संप्रभू</u>

संयोजक- डॉ. नीलोत्पल मृणाल **छात्र प्रतिनिधि-**

राजनीति शास्त्र विभाग से सम्बद्ध सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक परिषद 'सम्प्रभु' विद्यार्थियों के लिए समसामयिक मुद्दों पर अकादमिक एवं लाभप्रद गतिविधियों को सक्रियता से संचालित करने में सदैव संलग्न रहा है। महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में परिषद की ओर से नवागंतुक छात्रों के अभिनंदनार्थ 31 अगस्त 2019 को एक स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तत्पश्चात परिषद् के द्वारा 10 जनवरी 2020 को अटल बिहारी फाउंडेशन के सहयोग से महाविद्यालय के सभागार में एक राष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन किया गया, जिसका विषय *CAA : Facts and Myths* निर्धारित किया गया था। संगोष्ठी का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. बासुकी नाथ चौधरी ने किया। उन्होंने नागरिकता कानून का आकलन एक विस्तृत अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में करते हुए यह बताया कि किस प्रकार इंग्लैंड, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों ने अपनी जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और पहचान को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए आप्रवासन संबंधित अनिवार्य कानून बना

रखे हैं। भारत ने अपने पड़ोसी देशों में धार्मिक उत्पीड़न से त्रस्त आबादी को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से यह कानून बनाया है। भाजपा के राष्टीय उपाध्यक्ष श्री दुष्यन्त कुमार गौतम एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने भी इस संगोष्ठी में अपना महत्वपूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अटल बिहारी फाउंडेशन के सदस्यों सहित लगभग छः सौ लोगों ने आयोजन में शामिल होकर इसे सफल बनाया।

संस्कृत परिषद्

संयोजक - डॉ. सत्यकाम शर्मा **छात्र सचिव-नयनतारा**

31अगस्त 2019 को पहली बार संस्कृत विभाग में संस्कृत (ऑनर्स) आने के उपलक्ष्य में नव छात्राभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। तदंतर 9 से 11 नवंबर 2019 को संस्कृत भारती द्वारा दिल्ली के छतरपुर मंदिर में "विश्वसंस्कृतसम्मेलन" में छात्रों व प्राध्यापकों ने विभिन्न प्रदर्शनियों का भ्रमण किया और अपना योगदान भी दिया। आगे 29 जनवरी 2020 को महाविद्यालय में आर्य विद्या सभा,पी.जी.डी.ए.वी.प्रबन्धन समिति द्वारा कॉलेज में नैतिक शिक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 25 छात्रो ने भाग लिया। पुनः 20 फरवरी 2020 को दिल्ली संस्कृत अकादमी के आर्थिक सहयोग से महाविद्यालय में अन्तर महाविद्यालय संस्कृत श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 21 छात्रों ने भाग लिया। मुख्यातिथि के रूप में दिल्ली संस्कृत अकादमी के अध्यक्ष- डॉ० जीतराम भटट् ने छात्रों को प्रोत्साहित किया। 25 फरवरी 2020 को 'संस्कृत परिषद्' व 'सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रकोष्ठ' के संयुक्त तत्त्वावधान में "महर्षि दयानन्द सरस्वती जी" के 197वें जन्मदिवस को मनाया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में डॉ एम.सी.शर्मा (वरिष्ठ समाजसेवी) ने "महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के विचार और वर्तमान" विषय पर प्रकाश डालते हुए सभी छात्रों को सम्बोधित किया।

हिन्दी साहित्य सभा

संयोजक - डॉ. अनिरुद्ध कुमार **छात्र प्रतिनिधि-**

हिंदी विभाग की साहित्य सभा ने 23 अगस्त 2019 को इस नए सत्र 2019-20 में स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा में नामांकित नए विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया। इसमें 48 नए विद्यार्थियों सहित वरिष्ठ विद्यार्थियों एवं हिंदी विभाग के सभी आचार्यों ने भाग लिया। 'हिंदी दिवस' के अवसर पर 14 सितंबर 2019 को हिंदी साहित्य सभा के द्वारा अपने विद्यार्थियों के लिए राजभाषा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों के लिए बहुचक्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त डॉ. आशा रानी के संयोजकत्व में हिंदी साहित्य ने 21 एवं 22 अक्तूबर 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सौजन्य से 'साहित्य और सत्ता' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन की, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय सहित अन्य विश्वविद्यालयों के लगभग 150 आचार्यों एवं शोधार्थियों ने भागिदारी की। हिंदी साहित्य सभा ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए 25 जनवरी 2020 को 'हिंदी अध्ययन एवं शोध में अंतर्जाल के मुक्त स्रोतों का उपयोग' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें विभाग के 31 विद्यार्थियों ने विकिस्रोत,विकिपीडिया आदि मुक्त अंतर्जाल संसाधनों का परिचय एवं उपयोग प्रविधि की जानकारी प्राप्त की। साहित्य सभा के प्रयासों से महाविद्यालय के पांच विद्यार्थियों ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी विकि सम्मेलन 2020' में प्रतिभागिता की।

बी.ए.प्रोग्राम समिति

संयोजिका- श्रीमती गीता आहूजा **छात्र प्रतिनिधि- सचिन मेहलावत**

द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा 21 सितंबर 2019 को बी.ए.प्रोग्राम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजन किया गया था। दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.के.गुप्ता ने अपने भाषण के बाद बी.ए. प्रोग्राम के नए नाम का अनावरण किया और अब इसे फीनिक्स के नाम से जाना जाएगा। तदंतर 2019-20 के लिए फीनिक्स के विद्यार्थी पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई, जिसमें सचिन मेहलावत को अध्यक्ष, अनन्या पांडेय को उपाध्यक्ष, वर्षिता सक्सेना को सचिव और दीपांशु मौर्य को संयुक्त सचिव चुना गया और उन्हें बैज प्रदान किए गए। इसके बाद फीनिक्स के दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के अगले भाग की आगाज दूसरे वर्ष के छात्र धनंजय पांडेय के काव्य-पाठ से किया गया। फिर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक मनोरंजक क्विज भी आयोजित किया गया,जिसमें प्रथम वर्ष के फैजान ने पुरस्कार जीता। मिस्टर एंड मिस फ्रेशर प्रतियोगिता को तीन स्तरीय प्रतियोगिता के रूप में आयोजित किया गया। प्रथम वर्ष के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का विशेष प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों में से दो विद्यार्थियों को 'शाम के सितारे' के रूप में चुना गया और अंत में विजेता बने मिस्टर और सुश्री फ्रेशर को पुरस्कृत किया गया। विभिन्न उपाधियों से सम्मानित प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार हैं-शाम का सितारा- आस्था एवं दिशिका, मिस्टर फ्रेशर - फैजानऔर मिस फ्रेशर - अंजलि। अंत में छात्रों और शिक्षकों के लिए एक संयुक्त रुप से संगीत कुर्सी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

<u>**सांस्कृतिक परिषद्**</u>

संयोजिका-डॉ. रुक्मिणी **छात्र प्रतिनिधि-**

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) द्वारा दो-दिवसीय (27-28 फरवरी 2020) वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव - 'फलक- 2020' का आयोजन अत्यंत उल्लास के साथ किया गया. इस वर्ष फलक का आयोजन "एक भारत श्रेष्ठ भारत" को केंद्र में रखकर किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुनील सेठी को आमंत्रित किया गया, जो फैशन जगत का एक जाना पहचाना नाम है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता एवं मुख्य अतिथि श्री सुनील सेठी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक परिषद् की संयोजिका डा. रुक्मिणी ने कहा कि फलक -2020 का इतिहास स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। उद्घाटन सत्र में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता ने समस्त विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक आयोजनों को इसलिए महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए क्योंकि इनसे शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों की मौलिक प्रतिभा और उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व का उन्नयन होता है। मुख्य अतिथि श्री सुनील सेठी ने सभी विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि इस प्रकार के सामूहिक सहभागिता से विद्यार्थियों में एक टीम वर्क के रूप कार्य में कार्य करने की भावना प्रबल होती है। सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के शाखा प्रबंधक श्री उज्ज्वल प्रसाद ने 'फलक -2020' की थीम "एक भारत श्रेष्ठ भारत" को काफी सराहा।

इस वर्ष इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 26 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन रंगारंग कार्यक्रमों में विभिन्न कॉलेजों से आये विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ रंगोली, रचनात्मक लेखन, वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, एकल एवं सामूहिक नृत्य (लोक एवं पाश्चात्य) और प्रश्नोत्तरी सहित अन्य सभी कार्यक्रमों में पूर्ण उत्साह के साथ हिस्सा लिया। चयनित प्रतियोंगियों को प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस अवसर पर रंगोली के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा के अनुकूल "अतुल्य भारत" के आधार पर विविध रंगों को रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किया। इन चित्रों में विद्यार्थियों द्वारा भारत की विविधता का अलंकरण किया गया। ऐसा लगा जैसे भारत की विविधतामयी छवि रंगों में समाहित हो उठी है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के तीन चरण थे जिनमें विविध कॉलेजों एवं संस्थानों से आई हुई 20 टीमों ने हिस्सा लिया और निर्णायक मंडल ने दो टीमों को विजेता घोषित किया। विद्यार्थियों की प्रतिभा का अंकन रचनात्मक लेखन में दिखायी दिया, जिसके आरंभ में भारत की विविधता पर आधारित एक दृश्यावली दिखाई गयी, जिसके आधार पर प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा से कविता और लेखों की रचना की। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा "संस्कृति जोड़ो-देश जोड़ो" विषय को अपने कैनवास पर प्रस्तुत किया गया। पोस्टरों में छात्रों की दृष्टि से अतुल्य भारत की व्यापक छवि उकेरी गयी जिसे सभी ने सराहा।

आजकल विद्यार्थियों के लिए सर्वाधिक लोकप्रिय एवं आकर्षक वाद-विवाद-संवाद प्रतियोगिता होती है।इस वर्ष भी अनेक महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने कुशल वक्ता के रूप में केन्द्रीय विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने संतुलित विचार रखे। जिस प्रकार कागज़ पर रंग उतारे जाते हैं, ठीक उसी प्रकार दीवारों पर किन रंगों एवं चित्रों के माध्यम से विचार को प्रस्तुत किया जाए, इसकी झलक वाल-पेंटिंग में दिखायी पड़ी। इस परतियोगिता में भारत को देखने के नजरिया प्रतियोगियों द्वारा विविध रूप में प्रकट किया गया। गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों द्वारा अद्भुत समां बांधा गया। लोक-नृत्य द्वारा भारतीय संस्कृति को विविध रूप में प्रस्तुत करके समस्त दर्शकों का मन मोह लिया गया। इसी प्रकार पाश्चात्य नृत्य शैली के विविध रूप को भी प्रतियोगियों ने कुशलतापूर्वक प्रदर्शित किया। इस सांस्कृतिक महोत्सव में शब्दों की लड़ियों को तीव्रता से 'रैप' में बांधकर और बिना किसी बाधा के प्रस्तुत करने का अद्भुत कौशल प्रतिभागियों ने दिखाया। भारतीय एवं पाश्चात्य एकल तथा समूह गायन प्रतियोगिता में अनेक टीमों ने भारतीय संगीत शैली और प्रख्यात रागों को प्रस्तुत किया। सचमुच, राग आधारित भारतीय गीत-संगीत की अद्भुत विरासत विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का दृढ संकल्प प्रदान करती है। विद्यार्थियों की गायन प्रतिभा का मूल्यांकन राग विशेषज्ञ सुश्री श्वेता वी. पाटिल द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने शास्त्रीय संगीत से जुड़े रहने का मन्त्र दिया एवं महत्वपूर्ण रागों के प्रति मूल्यवान सुझाव अनेक उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में अनेक विद्यार्थियों ने लोक-प्रचलित पाश्चात्य शैली में भी गीतों को प्रस्तुत किया। योग स्वस्थ तन-मन का आधार है। इस मंतव्य के साथ इस बार योगोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों से आये योगाभ्यासियों ने विविध आसनों को प्रस्तुत कर योग की महत्ता पर बल दिया। कविता भावों की सहज अभिव्यक्ति है। इसका बोध काव्य-पाठ प्रतियोगिता में स्पष्ट तौर पर दिखा, जिसमें अनेक महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने अपने कवि-रूप का परिचय दिया। चेहरा इंसान का दर्पण होता है, यह सभी प्रकार के सुख-दुःखात्मक भावों को प्रकट करता है। आज की प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा भारतीय समाज के चेहरे को अपने चेहरे पर अंकित करके अविस्मरणीय आयाम प्रस्तुत किया। हास्य तनाव को दूर करता है। हास्य व्यंग प्रतियोगिता में अनेक महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक सूझ-बूझ इस भावना का परिचय दिया और अपनी अपनी रोचक प्रस्तुतियों से वातावरण को मन्त्रमुग्ध कर दिया। फैशन शो भी इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण का केंद्र था जहाँ विभिन्न संस्थानों एवं महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने रैंप-वाक के साथ वस्त्र-विन्यास के माध्यम से रचानात्मक को प्रस्तुत किया।

बड़े ही हर्षोल्लास के साथ दो-दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन हुआ। इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. रुक्मिणी ने औपचारिक धन्यवाद देते हुए 'फलक - 2020' की सफलता का श्रेय प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व और अतुल्य योगदान को दिया। साथ ही उन्होंने अध्यापकों के अकथनीय योगदान तथा समस्त कर्मचारियों के अत्यधिक सहयोग के लिए अपना आभार व्यक्त किया। कॉलेज के छात्रों के अथक परिश्रम की चर्चा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को सराहा तथा प्रोत्साहित किया। अंत में समस्त छात्रों में समानता का भाव सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि, कॉलेज प्राचार्य, वरिष्ठ प्राध्यापकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं समस्त कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

<u>कॉलेज प्लेसमेंट सेल</u>

संयोजिका- डॉ. मृदुला अरोड़ा एवं डॉ. अनीता बजाज

यह सत्र प्लेसमेंट ड्राइव की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण कहा जा सकता है क्योंकि इसबार बड़ी संख्या में कंपनियों ने रूचि दिखाई और उम्मीद के अनुरुप अधिक संख्या में छात्रों ने इसमें भाग लिया और सफल रहे। 16 जनवरी 2020 को पूर्वाह्न में INSURE TECH कंपनी के बंगलुरु से आए कर्मियों ने विद्यार्थियों के सम्मुख प्रेजेंटेशन दिया। फिर इसी कंपनी के द्वारा 30 जनवरी 2020 को प्लेसमेंट ड्राइव चलाया गया और अंत में 6 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसी दिन अपराह्न में जेनपैक्ट द्वारा भर्ती अभियान चलाया गया, जिसमें 25 छात्रों को चुना गया। इसके बाद 21 जनवरी 2020 को CONCENTRIX ने विद्यार्थियों की नियुक्तियों के लिए दौरा किया, जिसमें 69 छात्रों का चयन किया गया और उन्हें ई.ओ.आई. भी प्रदान किया गया। 6 छात्रों को पुन: परीक्षा का मौका दिया गया था।

24-02-2020 को JOB FAIR के रुप में एक बृहत् आयोजन किया गया जिसमें 10 कंपनियों ने भाग लिया। सबसे उल्लेखनीय यह था कि दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालयों की तुलना में हमारे कॉलेज से बड़ी संख्या में छात्रों ने इस रोजगार मेले में भाग लिया। उनमें से कुछ कंपनियों के नाम इस प्रकार हैं- SEVEN SEAS, IKYA, NIIT,FIN VEST आदि। ये कंपनियां अंतिम दौर की सूचियां तैयार करने की प्रक्रिया में हैं,लेकिन कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण थोड़ी देर इंतजार करना होगा। अंत में 5 मार्च को विप्रो कंपनी को प्लेसमेंट ड्राइव के लिए आमंत्रित किया गया, जिसमें दो छात्रों का चयन किया गया।

कंप्यूटराइजेशन एवं ऑटोमेशन समिति

संयोजक- डॉ. अजय कुमार गर्ग

यह समिति सूचना एवं प्रौद्योगिकी से सम्बंधित समस्त आवश्यकताओं का सफल संचालन और संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करती है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसे कॉलेज में वार्षिक स्तर पर पूर्ण रूप से संपन्न किया जाता है। यह कॉलेज के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि समिति द्वारा ई-प्रमाण-पत्र के संबंध में एक नवीन पहल को प्रारंभ किया गया। इ-प्रमाण पत्र- वितरण की दिशा में उठाया गया यह प्रयास विगत व्यवस्था को परिवर्तित करके एक नए आयाम स्थापित करता है। इस इ-व्यवस्था से विद्यार्थी अपने सभी महत्वपूर्ण प्रमाण-पत्रों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न प्रयोग में ला सकते हैं। यह प्रयास संसाधनों के सक्षम एवं समुचित उपयोग की दिशा में वह सराहनीय प्रयास है, जिससे समय की बचत के साथ-साथ स्वयं को वर्तमान के संसाधनों और इ-सुशासन की और कॉलेज द्वारा बढ़ाया गया सार्थकता की ओर क़दम है। कॉलेज वेबसाइट को निरंतर अद्यतन किया जाता है। समिति मौजूदा वेबसाइट को नवीन, आकर्षक, अव्यवस्था मुक्त और उपयोगी बनाने की दिशा में भी कार्य कर रही है। कॉलेज द्वारा स्मार्ट कार्ड प्रणाली का विगत तीन

वर्षों से सफलतापूर्वक किया निर्गमन किया जा रहा है और यह प्रयास विद्यार्थियों और विक्रेताओं में अत्यंत लोकप्रिय है और प्रभावकारी रूप से उनमें परस्पर क्रय विक्रय से सम्बंधित लाभ भी प्रदान कर रहा है।यह कार्य-प्रणाली सुचारु रूप से और पूर्णत: त्रुटि मुक्त होकर समिति द्वारा सुनिश्चित नियंत्रण द्वारा संचालित की जाती है।

पुस्तकालय में कम्प्यूटर सुविधा उपलब्ध है और इसे नवीनीकृत रूप प्रदान किया गया है। इस पहल में पुराने कंप्यूटरों के स्थान पर लैपटॉप का उपयोग किया जा रहा है। कॉलेज में कंप्यूटरीकृत सेवाओं और उनकी सुविधाओं की उपलब्धता है। समिति द्वारा इसकी निरंतर सुविधासंपन्न कार्य-दक्षता, नवीनीकरण और रखरखाव से सम्बंधित ज़िम्मेदारी वर्ष भर अत्यंत सजगता द्वारा नियंत्रित की जाती है। समिति को सौंपी गई जिम्मेदारी में से एक के रूप में यह सुनिश्चित किया और कॉलेज में उपयोग किए गए विभिन्न सॉफ्टवेयर के माध्यम से उत्पन्न विभिन्न डेटा के आवधिक बैकअप की निगरानी की। यह सराहनीय प्रयास वर्ष भर अत्यंत ज़िम्मेदारी के साथ कुशलतापूर्वक नियंत्रित और संचालित किया जाता है।

<u>आंतरिक गुणवता प्रमाणन प्रकोष्ठ</u>

अध्यक्ष-डॉ. आर.के. गुप्ता **समन्वयक-डॉ. संजय कुमार**

कॉलेज के आंतरिक गुणवता प्रमाणन प्रकोष्ठ (IQAC) का गठन 2015-16 सत्र में किया गया था। कॉलेज प्रशासन की प्रेरणा एवं नेतृत्व में यह प्रकोष्ठ 'नैक पीयर टीम' के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए कॉलेज के गुणात्मक सुधार में प्रयासरत है और समय-समय पर कॉलेज के हित में उचित सुझाव देता रहता है। इस प्रकोष्ठ द्वारा 15 नवम्बर 2019 को वार्षिक अकादमिक अंकेक्षण करवाया गया, जिसमें कॉलेज का प्रदर्शन उत्तम रहा। अकादमिक जगत के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किए गए इस अंकेक्षण में कई सुझाव भी दिये गए हैं, जिसपर प्रकोष्ठ विचार कर रहा है। इस वर्ष की नैक रिपोर्ट, ए.क्यू.ए.आर. नैक काउंसिल को भेजी गई। फिर फीडबैक कमिटी की द्वि-वार्षिक रिपोर्टों का विश्लेषण किया गया तथा उस पर उचित कार्यवाई की गई। छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन को अधिक फलदायक बनाने के लिए सभी विभागों से सुझाव प्राप्त हुए, जिसके आधार पर विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिती को बढ़ाने के उपाय किए गए। 17 मार्च 2020 को प्रकोष्ठ की बैठक हुई,जिसमें उद्योग जगत के एक नए सदस्य जोड़े गए। कुछ अन्य नए सदस्यों को भी प्रकोष्ठ में जोड़ा गया,जिन्होंने कालेज के उत्तरोत्तर विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं, जिनपर अमल किया जाएगा। कैम्पस प्लेसमेंट द्वारा चयनित छात्रों के जॉब परफॉर्मेंस पर चर्चा हुई। सभी छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस वर्ष से प्रकोष्ठ ने विभागीय वेबसाइट की तर्ज पर विशेष वेबपेज शुरू किया है, जिसका उद्देश्य प्रकोष्ठ से संबंधित सभी सार्वजनिक जानकरियों को एक जगह उपलब्ध कराना है।

<u>पर्यावरण समिति</u>

संयोजिका - श्रीमती रेणुका धर बज़ाज़

कॉलेज में मनोनीत पर्यावरण परिषद् एक सक्रिय समूह है जो कॉलेज परिवार के सहयोग से प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर विद्यार्थियों में पर्यावरण के संबंध में जागरूकता एवं संवेदना पैदा करने के लिए निरंतर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जिनका विवरण इस प्रकार है-1.विश्व सर्प- संरक्षण दिवस-सांप भी प्रकृति का एक महत्वपूर्ण घटक है, लेकिन तेजी से शहरीकरण और औद्योगिकीकरण एवं मानवेतर जीवों के निवास स्थानों के विनाश के कारण जहरीले और गैर विषैले सांपों की आबादी तेजी से घट रही है। इस

संदर्भ में मानव समाज को जागरूक करने के लिए 16 जुलाई को हर साल विश्व सर्व दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व सर्प दिवस के अवसर पर असोला वन्यजीव अभयारण्य, दिल्ली में संरक्षण शिक्षा केंद्र, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और वन्यजीव एस.ओ.एस. के द्वारा सांपों की रहस्यमयी दुनिया से लोगों को अवगत कराने के लिए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया जिसमें हमारे कॉलेज के एक विद्यार्थी-समूह ने भी विभिन्न संस्थानों के अन्य छात्रों की तरह उस प्रदर्शन का अवलोकन किया। वहां एस.ओ.एस. वाइल्डलाइफ की सुश्री अपराजिता ने उत्तर भारत के सामान्य सांपों के बारे में एक प्रस्तुति दी और बाद में वन्यजीव एस.ओ.एस. टीम ने सामान्य गैर विषैले सांपों (रैट स्नेक, सैंड बोआ आदि) के जीवित नमूनों का प्रदर्शन किया। यह छात्रों के लिए एक रोमांचक सत्र था क्योंकि उनमें से अधिकांश ने पहली बार जीवित सांपों को देखा। प्रदर्शन सत्र के बाद बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी संरक्षण शिक्षा केंद्र के वैज्ञानिक प्रभारी डॉ. इश्तियाक सबको अभयारण्य के प्राकृतिक पगडंडी पर ले गए। हमने पौधों, पेड़ों, पक्षियों, तितलियों आदि की एक विस्तृत विविधता का अनुभव किया और सरकार के वन विभाग, एनसीटी-दिल्ली और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी संरक्षण शिक्षा केंद्र के संयुक्त प्रयासों से अभयारण्य के भीतर चल रही विभिन्न संरक्षण गतिविधियों को भी देखा। कॉलेज की टीम ने असोला वन्यजीव अभयारण्य नर्सरी से विभिन्न पेड़ प्रजातियों (जामुन, पीपल, बरगद, नीम, पाक्कड़ आदि) के करीब दो दर्जन पौधों को भी एकत्र किया। फिर इन वृक्षों का 31 जुलाई 2019 को कॉलेज परिसर में रोपण किया गया। उपर्युक्त अध्ययन यात्रा का प्रतिनिधित्व पर्यावरण अध्ययन विभाग के डॉ. मयंक पांडेय ने किया। 2. ड्रैगन फ्लाई कैंपस गणन (DRAGONFLY CAMPUS COUNT)-ड्रैगनफली एक प्रागैतिहासिक पंखों वाला कीट है, जो मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि जैसे वेक्टर जनित रोगों को रोकता है। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (CEC-BNHS) के संरक्षण शिक्षा केंद्र, दिल्ली ने ड्रैगनफ्लाई के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अगस्त के महीने को ड्रैगनफ्लाई महीना घोषित किया था। उसी के तहत कॉलेज के पर्यावरण समिति ने सीईसी-बी.एन.एच.एस. के सहयोग से 08 अगस्त 2019 को दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे न्यू कंप्यूटर लैब (न्यू बिल्डिंग) में ड्रैगनफ्लाई कैंपस काउंट के रुप में जागरूगता कार्यक्रम मनाया। इसमें सीईसी-बी.एन.एच.एस. के शिक्षा अधिकारी, मत्स्य पालन विशेषज्ञ और प्रकृतिवादी श्री इश्तियाक अहमद ने ड्रैगनफ्लाई के पर्यावरणीय व्यवहार और आर्थिक महत्व को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। 3. भारत के डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ के द्वारा सी.ई.ई. और यू.एन.ई.पी. के साथ मिलकर समुद्र में प्लास्टिक कचरे से उत्पन्न प्रदूषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 01 अक्टूबर 2019 से 31 अक्टूबर 2019 तक विश्व स्तर पर टाइड टर्नर अभियान चलाया गया। इसमें हमारे कॉलेज के कुल 10 छात्रों ने भाग लिया जबकि 1 छात्र ने अंतिम चरण में प्रवेश किया। छात्रों और कॉलेज को प्रशंसा और भागीदारी का प्रमाण पत्र मिला। 4. पर्यावरण समिति ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में 3 अक्टूबर 2019 को प्लास्टिक प्रदूषण और उसका प्रबंधन विषय पर एक अंतर महाविद्यालय पर्यावरण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थाओं के करीब 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस त्रिस्तरीय प्रतियोगिता में वाद-विवाद, डिजिटल पोस्टर मेकिंग और प्रश्नोतरी को सम्मिलित किया गया था। प्रत्येक प्रतियोगिता में विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। 5. अगले दिन 4 अक्टूबर 2019 को भारतीय प्रदूषण नियंत्रण संघ, दिल्ली के उप निदेशक डॉ. राधा गोयल ने प्लास्टिक अपशिष्ट और उसके प्रबंधन विषय पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने प्लास्टिक अर्थव्यवस्था और प्लास्टिक अपशिष्ट पर एक वृत्तचित्र भी दिखाया। भारतीय

डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. ने सभी प्रतिभागियों और स्वयंसेवकों में वितरित 200 प्रमाण-पत्रों को प्रायोजित किया, जो पुनर्नवीनीकृत कागज पर छपे थे।

आंतरिक शिकायत समिति

पीठासीन अधिकारी -डॉ. मीता भटनागर

आंतरिक शिकायत समिति कॉलेज की एक विशेष समिति है, जिसका गठन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारत सरकार के द्वारा अधिनियम 2013 की धारा 4(1) के अनुसार किया गया है । इस समिति का मुख्य कार्य महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े मामलों का निवारण,प्रतिषेध और प्रतिकार है । कॉलेज में इस समिति की कार्यकुशलता,सद्भावपूर्ण व्यवहार एवं सतर्कता के कारण एक ऐसी सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ कि इस प्रकार की किसी भी शिकायत या कोई घटना समिति के संज्ञान में नहीं आई।

अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ

नोडल अधिकारी - डॉ. आशा रानी

इस प्रकोष्ठ की ओर से पूरे सत्र में अनुसूचित जाति-जनजाति से जुड़े प्रत्येक संवेदनशील मुद्दों को परस्पर सहयोग के द्वारा सुलझाया गया। भारत सरकार की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता योजना के अंतर्गत इस साल प्रकोष्ठ के द्वारा 20 विद्यार्थियों के नाम मंत्रालय में प्रेषित किए गए। इसके अतिरिक्त अन्य सरकारी एवं गैर-सरकारी सहायता समूहों द्वारा संचालित आर्थिक सहायता एवं शुल्क-माफ़ी योजना के जरिए विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की गई। साथ ही वर्ष भर समाज में पिछड़े इन विद्यार्थियों को औपचारिक-अनौपचारिक विचार-मंचों के माध्यम से विभिन्न पात्रता परीक्षा, व्यावसायिक विषयों के महत्त्व, कौशल-संवर्धन, उच्च-अध्ययन एवं शैक्षणिक संभावनाओं के संदर्भ में यथोचित निर्देशन एवं मार्गदर्शन किया गया।

गरीब विद्यार्थी कल्याण समिति

संयोजक-डॉ. विपिन प्रताप सिंह

इस समिति का गठन और उद्देश्य इस दृष्टि से किया गया है कि जो विद्यार्थी अपनी शिक्षा के प्रति गंभीर एवं योग्य हैं किन्तु अपनी आर्थिक स्थिति के कारण शिक्षा-प्राप्ति में आने वाली अनेक आर्थिक समस्याओं का सामना करते हैं। यह समिति इस प्रकार के विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इस शैक्षणिक वर्ष 2019-2020 के अंतर्गत लगभग 200 विद्यार्थियों के द्वारा इस समिति सदस्यों के समक्ष अपने परिवार की वार्षिक आय से संबंधित सभी महत्वपूर्ण प्रमाण पत्रों के साथ पूर्व परीक्षा में प्राप्तांक भी अपने आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत किए गए। फिर एक निश्चित तिथि को इन विद्यार्थियों का समिति के सदस्यों के द्वारा साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार में सभी तय प्रतिमानों पर मूल्यांकन के बाद 150 विद्यार्थियों को योग्य पाया गया। उनकी योग्यता को निर्धारित करने के लिए उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सर्वोच्चता के साथ-साथ इन विद्यार्थियों की विभिन्न शैक्षणिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी,अकादमिक उपलब्धियों एवं कक्षा उपस्थिति को भी दृष्टिगत किया गया। इन विद्यार्थियों को उनके योग्यतानुसार ₹1000 से लेकर ₹5000 तक की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गयी।

विभागीय वैबसाइट समिति

संयोजक : डॉ. हरीश अरोड़ा

कॉलेज की विभागीय वैबसाइट समिति द्वारा इस वर्ष कोविद-19 के चलते सभी विद्यार्थियों के लिए ई-सामग्री को विभागों की वैबसाइट पर अपलोड करने और ई-कक्षाओं के लिए अपना सहयोग प्रदान किया। कॉलेज के

प्राध्यापकों द्वारा ई-कक्षाओं के माध्यम से इसे सफल बनाया। सभी प्राध्यापकों को ई-माध्यम से पुस्तकालय द्वारा समाचार पत्रों और पत्रिकाओं को भी प्रेषित किया गया। सभी विभागों की वैबसाइट पर नवीन पाठ्यक्रमों को भी अपलोड किया गया।

परिपूरक पाठ्यक्रम प्रकोष्ठ (ऐड ऑन कोर्सेस सेल)

संयोजिका - श्रीमती गीता अह्रुजा

हमारे महाविद्यालय में औपचारिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कई परिपूरक पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित किए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों की नैसर्गिक प्रतिभा और उनकी सर्जनात्मक कौशल को उभारकर उनके व्यक्तित्व को निखारा जा सके एवं उन्हें रोजगारोन्मुख बनाया जा सके। इस महती लक्ष्य को आधार बनाकर इस सत्र में Accounting Using Tally, Advance Skill Programme on Financial Marketing, English Bolo, Fashion Merchandising, Fashion Styling, German /Japanese/ Spanish/French Language, IAD Graphics (Software), Kuoni Academy M.I.C.E. Management Programme, Kuoni Academy Travel Management Program, Legal Awareness Programme, Magic of Vedic Mathematics, Personality Development & Journalism, Photography, Cinematography & Editing, Programming Using 'C, Banking & Financial Literacy, संचार, जनसंचार और समाज, संस्कृत संभाषण, पत्रकारिता और जनसंचार आदि पाठ्यक्रमों को सफलता पूर्वक संपन्न किया गया। उनमें से कुछ का विवरण इस प्रकार है-

प्रकोष्ट के द्वारा इस सत्र में टैली अकाउंटिंग से सबंधित 15 अक्टूबर से 07 नवंबर तक 24 घंटे अवधि के एक परिपूरक पाठ्यक्रम को संचालित किया गया। इसमें 15 छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कॉलेज में 2017-18 सत्र के दौरान फोटोग्राफी क्लब दृश्यम को शुरू किया गया था। सत्र 2019-20 तक इस क्लब में 50 छात्र नामांकित हैं। क्लब ने कॉलेज के सांस्कृतिक उत्सव फ़लक में 2 सफल आयोजन किए।

डॉ. श्रुति विप के नेतृत्व में इंग्लिश हेल्पर परिपूरक पाठ्यक्रम के तहत अक्टूबर-नवंबर 2019 में अंग्रेजी बोलो ऑनलाइन कोर्स का संचालन किया गया, जिसमें 7 छात्रों ने दाखिला लिया। यह पाठ्यक्रम दो भागों में विभाजित था, जो एक दूसरे के पूरक हैं पहला स्व अध्ययन पाठचर्या(कुल 40 मोड्यूल्स) और दूसरा प्राध्यापक द्वारा कक्षा आधारित शिक्षण (10 कक्षाएं)। यह 90 दिनों का पाठ्यक्रम है, जिसे शिक्षार्थी की मांग पर बढ़ाया जा सकता है। यह पाठ्यक्रम भाषा-शिक्षण के लिए निर्धारित सामान्य यूरोपीय फ्रेमवर्क दिशानिर्देश (CEFR) मॉड्यूल पर आधारित है। अंग्रेजी बोलो में सीखने के तीन स्तर होते हैं और सीखने के पश्चात् विस्तृत शब्दावली, स्थितियों का वर्णन करने के लिए सही शब्दों के उपयोग क्षमता, लंबे समय तक पढ़ने की दृढ़ता, प्रासंगिक शब्दों और तार्किक प्रवाह का उपयोग करके वार्तालापों को पकड़ने और स्थितियों का वर्णन करने की दक्षता अर्जित की जाती है। इससे छात्रों ने सिर्फ अपने संचार कौशल में ही सुधार नहीं किया, बल्कि अधिक आत्मविश्वास भी प्राप्त किया है।

कॉलेज के अनुसंधान एवं परामर्श प्रकोष्ठ के संयोजिका डॉ. रुचिरा पाठक ने डॉ. हरीश अरोड़ा एवं नितीश बागड़ी के साथ मिलकर आईसीटी अकादमी (भारत सरकार के पहल पर गठित गैर-लाभकारी संगठन) के सहयोग से 21 अक्टूबर 2019 से 14 मार्च, 2020 तक अंतिम वर्ष के वाणिज्य अध्ययन से संबंधित छात्रों के लिए वित्तीय साक्षरता में रोजगार कौशल प्रशिक्षण ऐड-ऑन पाठ्यक्रम-BFSI (बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा) का संचालन किया गया। यह कार्यक्रम रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस मनी सामाजिक पहल द्वारा उनके सीएसआर

पहल के एक भाग के रूप में प्रायोजित किया गया था। मूल रूप से यह छात्रों के कौशल विकास के मुख्य उद्देश्य के साथ वित्तीय साक्षरता में एक रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम था जो उभरते आर्थिक वातावरण के लिए प्रासंगिक माना जाता है। इस गहन गतिविधि आधारित 200 घंटे के प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया था। पहले भाग में छात्रों के सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट जैसे-इंटरपर्सनल स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, लीडरशिप स्किल्स और कॉन्फिडेंस बिल्डिंग आदि शामिल किए गए थे और दूसरा भाग वित्तीय साक्षरता में प्रशिक्षण से संबंधित था। जिसमें छात्रों को बैंकिंग और वित्तीय साधनों, बिजनेस पत्राचार, ग्राहक-प्रबंधन से परिचित कराया गया था। पीपीटी के माध्यम से धन और बीमा का प्रबंधन, मॉक सेशन, केस स्टडी आदि पर प्रकाश डाला गया। आधुनिक बैंकिंग में कुछ तकनीकी पहलुओं से भी निपटा गया। इस कार्यक्रम के समापन पर, छात्र एक सफल प्रशिक्षित प्रतिभागी के रूप में सामने आए। चूंकि यह एक रोजगारोन्मुख कार्यक्रम था, इसलिए छात्रों के पास प्लेसमेंट सुविधाएं भी थीं। प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की भर्ती के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कॉरपोरेट्स के साथ गठजोड़ किया गया। हमारी संस्था में इस वित्तीय समावेशन को लाना निश्चित रूप से छात्रों के सशक्तीकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

डॉ. मीना शर्मा के नेतृत्व में 'Legal Awareness' छठे बैच का आरंभ 21 अगस्त 2019 में हुआ और 6 नवंबर तक चला। इस पाठ्यक्रम में कुल 6 कक्षा-सत्रों की व्यवस्था की गई। साथ ही विद्यार्थियों को न्यायालय एवं जेल भ्रमण की व्यवस्था की गई। सबसे पहले 1 सितंबर को साकेत न्यायालय की यात्रा आयोजित हुई, जिसमें न्यायालय की कार्य-प्रणाली और परिसर की विविध गतिविधियों के संबंध में विस्तार से समझाया गया। फिर 5 नवंबर को मंडोली जेल भ्रमण करवाया गया। वहां विद्यार्थियों ने जेल की विभिन्न गतिविधियों का अध्ययन किया एवं कैदियों से मिले। पाठ्यक्रम के अंत में 6 नवंबर को मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं कॉलेज के प्राचार्य महोदय ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। पुनः डॉ. मीना शर्मा के नेतृत्व में 'Legal Awareness' के सातवें बैच का आरंभ 22 जनवरी 2020 को हुआ और 26 फरवरी 2020 तक 9 कक्षा सत्रों का आयोजन किया गया। 15 फरवरी को साकेत न्यायालय परिसर का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। इसमें न्यायालय परिसर में स्थित विभिन्न न्यायालयों के कार्य-पद्धति के संबंध में बताया गया। उस दिन विद्यार्थियों को DLSA कार्यालय भी दिखाया गया। 6 मार्च 2020 को कारागार भ्रमण की योजना थी किंतु उस इलाके में दंगा फ़ैलने के करना यात्रा स्थगित करनी पड़ी। समापन सत्र को भी महामारी के संक्रमण के कारण तल दिया गया है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रगतिशील पहल पर एवं डॉ. अनीता बजाज के संयोकत्व में विद्यार्थियों के अकादमिक उत्कृष्टता को केंद्रित करके एमिटी विश्वविद्यालय के सहयोग से एक ऑनलाइ ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों को शुरू किया गया। ये पाठ्यक्रम में डिजिटल मार्केटिंग, बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर आधारित थे। विशेष रूप से ये ऐड-ऑन पाठ्यक्रम लॉकडाउन की अवधि में विद्यार्थियों को संलग्न करने में सफल रहे और उन्होंने ज्ञान की दृष्टि से लाभप्रद समय व्यतीत किया। इन पाठ्यक्रमों के प्रति छात्रों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही। पाठ्यक्रम इतने उपयोगी और आकर्षक पाए गए कि कुछ शिक्षकों ने भी अपने ज्ञान संवर्द्धन के लिए इनमें भाग लिया।

संस्कृत भारती के सहयोग से 17 सितंबर से 15 अक्टूबर 2019 तक एक परिपूरक पाठ्यक्रम (एड् ऑन कोर्सेस) के रूप में 'संस्कृत संभाषण शिविर' का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृत भारती के प्रचारक डॉ. सुशील कुमार ने सभी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। इसमें 41 छात्रों ने भाग लिया। सभी

विद्यार्थियों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें संस्कृत सम्भाषण, संस्कृत लघुनाटिका, गीतगायन व अनुभवकथन आदि प्रमुख थे। पुनः संस्कृत भारती के सहयोग से 18 फरवरी से 06 मार्च 2020 तक संचालित विशिष्ट 'संस्कृत संभाषण' विषयक परिपूरक पाठ्यक्रम का समापन 7 मार्च 2020 को हुआ। इसमें शिक्षक के रूप में अभिनन्दन महोदय रहे और मुख्यातिथि बी०श्रीनिवास एवं सारस्वत अतिथि वैंकटेश्वरा लुं महोदय ने छात्रों को संस्कृत का महत्व समझाया। शिविर में लगभग 35 छात्रों ने शिक्षण प्राप्त करके संस्कृत में संवाद, गीतगायन व संस्कृत नाटिका प्रस्तुत की। उपर्युक्त दोनों कार्यक्रम संस्कृत भाषा में किये गए। इन सभी कार्यक्रमों में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता,संस्कृत विभाग के प्रभारी डॉ. सत्यकाम शर्मा सहित अन्य सभी संस्कृताचार्यों और विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भमिका रही।

प्रकोष्ठ के द्वारा 18 फरवरी से 3 मार्च 2020 तक 'वैदिक गणित एवं उसका उपयोग' विषय में एक परिपूरक पाठ्यक्रम का संचालन किया गया। यह पाठ्यक्रम कुल दस घंटे का था जिसमें दो-दो घंटे की पांच कक्षाएं आयोजित की गई और कक्षाओं में विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए विषय विशेषज्ञ के रुप में डी.सी.ए.सी. कॉलेज की एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. अनुराधा गुप्ता को आमंत्रित किया गया। इसमें अपने कॉलेज के 25 एवं डी.सी.ए.सी. कॉलेज के 4 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम के अंतिम चारण में कुल 25 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया और सभी सफल रहे। उनमें से 13 विद्यार्थियों ने 75% से अधिक अंक अर्जित किए।

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ

संयोजिका - सोनिया ढींगरा

प्रकोष्ठ के द्वारा 17 सितंबर 2019 को 'Discover an Entrepreneur in you' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें श्री रविंदर भाटिया जी आमंत्रित वक्ता थे। उन्होंने अपने विद्वतापूर्ण वतव्य से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उद्यमिता विकास के क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ते हुए कॉलेज ने अगस्त 2019 में 'इनैक्टस' के साथ पंजीकृत हुआ है और कॉलेज की पहली परियोजना 'वास्तु' की शुरूआत की गई है। इसमें अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े से बने दिलचस्प उत्पाद विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होते हैं । ये उत्पाद समय-समय पर कॉलेज में लगाए गए स्टॉल्स के माध्यम से बेचे जाते हैं।

वित्तशाला (वित्त क्लब)

संयोजक: श्री रमेश कुमार **छात्र प्रतिनिधि: पारिजात**

अपनी स्थापना के द्वितीय वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही वित क्लब ने इस सत्र में भी विभिन्न प्रकार की शैक्षिणिक गतिविधियों का आयोजन किया। सत्र के आरंभ में 29 अगस्त 2019 को विधार्थियों द्वारा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की दिल्ली शाखा का शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया था, जिसमे लगभग 26 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। 28 सितम्बर 2019 को प्रथम वर्ष के विधार्थियों के लिए 'Career Opportunities in Finance' विषय पर एक अभिविन्यास एवं परस्पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सी.ए. अंकित ओबेराय ने CA, CS, CMA, CFA आदि वित्तीय पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विस्तार से बताया। अंत में विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी एवं रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ज्ञान और विकास को वित्तशाला का मूल लक्ष्य घोषित किया गया है , इसलिए इसके अन्तर्गत विधार्थियों के बौद्धिक ज्ञान और विकास के लिए साल भर वित क्षेत्र से संबंधित समसामयिक मुद्दों पर विविध कार्यक्रम आयोजित

किए जाते हैं। इस कड़ी में 4 अक्तूबर 2019 को 'वित क्षेत्र के विविध परिप्रेक्ष्य' विषय पर चर्चा की गई। 15 अक्तूबर 2019 को SEBI का शैक्षिक भ्रमण किया गया, जिसमें 35 विधार्थी और 4 प्राध्यापक शामिल हुए। 18 अक्तूबर 2019 को 'GST:One Tax one Nation' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि CMA Deepak Malpani, vice President, Faridabad Chapter CMA ने जी एस टी पर विस्तार से चर्चा की। इसमें लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 14 नवम्बर 2019 को 'Crypto-Currency' पर चर्चा का आयोजन किया गया था। 26 नवम्बर 2019 को विधार्थियों द्वारा विश्व व्यापार मेला का शैक्षिणिक भ्रमण किया गया।

25.01.2020 सोसाइटी इंटरेक्शन प्रोग्राम(SIP) के द्वारा कॉलेज के पास के स्लम क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता के लिए सर्वेक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमे 4 शिक्षकों एवं 22 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 13.02.2020 को वित्त मंथन अंतर महाविद्यालय उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में श्री संदीप कुल्लर (अध्यक्ष,आईएमए दिल्ली अध्याय) और श्रीमती मोना (ज्योतिषी और टैरो कार्ड रीडर) पधारे थे। इसमें फिनक्विवज़, बिडस्ट्रेट, बाज़ार, लेन-देन, मोक्ष पटम आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 25-02-2020 को सोसाइटी इंटरेक्शन प्रोग्राम (SIP) के द्वारा एक सर्वेक्षण करवाया गया कि कॉलेज के छात्र पैसे व्यवहार का उपयोग कैसे करते हैं। इसमें 12 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

Assassins social media platform based on Delhi university के द्वारा 2019-20 सत्र के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों की Finance and Investment cell का ऑनलाइन सर्वेक्षण करवाया गया। जिसमें हमारे कालेज के वित्तशाला (FinShala-finance club) ने अपनी स्थापना के द्वितीय वर्ष में पूरे विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह कॉलेज और वाणिज्य विभाग के लिए गर्व की बात है । ये सब कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता, क्लब के संयोजक श्री रमेश कुमार, विभाग के प्रभारी और शिक्षकों के सहयोग से क्लब के मुख्य समन्वयक पारिजात, पदाधिकारियों और सक्रिय सदस्यों के परिश्रम का फल है ।

मीडिया प्रकोष्ठ

संयोजक - डॉ. हरीश अरोड़ा

कॉलेज के मीडिया प्रकोष्ठ के द्वारा इस वर्ष 'फोकस न्यूज़' के साथ मिलकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कॉलेज की विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्ट नियमित रूप से विभिन्न समाचार पत्रों और चैनलों में प्रकाशित और प्रसारित की गईं। मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा कॉलेज की ई-पत्रिका dave संवाद के दो अंकों का प्रकाशन प्रगति पर है।

सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ

संयोजिका-रेणुका धर बज़ाज़ **सह संयोजिका-उदिता अग्रवाल**

कॉलेज में सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ के गठन का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में समाज के लिए सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के लिए दायित्व-बोध विकसित करना है। इस प्रकोष्ठ के द्वारा यह भी प्रयास किया जाता है कि विद्यार्थी अपने देश की संपन्न संस्कृति और परंपरा के प्रति सचेत रहे। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इस वर्ष सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ तथा संस्कृत परिषद् के संयुक्त तत्वाधान में महर्षि

दयानन्द सरस्वती जयन्ती के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन क्या गया। जिसमे "महर्षि दयानंद सरस्वती जी के विचार एवं वर्तमान" विषय पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं डी. ए. वी. मैनेजमेंट कमेटी के पदाधिकारी डॉ एम. सी. शर्मा जी ने अपने अमूल्य विचार बहुत ही सरल शब्दों में प्रस्तुत किए और विद्यार्थियों को समझाया कि किस प्रकार दयानंद जी के विचार वर्तमान में भी पूर्ण रूप से सार्थक हैं।

इस सत्र में प्रकोष्ठ के द्वारा प्राचार्य महोदय के सुझाव पर सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ ने एक नई पहल की है। जिसके अन्तर्गत कॉलेज के विद्यर्थियों द्वारा हमारी संस्कृति व देश की दृष्टि से महत्वपूर्ण ऐसे अवसरों या ऐसी तिथियों के बारे मे हिंदी और अंग्रेजी में लेख लिखे जाते हैं जिनके बारे में आमतौर पर सबको पता नहीं होता। इस कड़ी का शुभारंभ नवसम्वत्सर एवं आर्य समाज स्थापना दिवस के शुभ अवसर रचनात्मक लेखन के साथ किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने लेख लिखकर अपने उद्गार अभिव्यक्त किए। इन लेखों को महाविद्यालय की वैबसाइट्स पर उसी दिन पोस्ट किया जाता है। इसके लिए वेबसाइट पर एक विशेष लिंक दिया गया है। आशा है कि सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ का यह प्रयास विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति और देश के बारे में एक नई दिशा में सोचने का अवसर देगा।

प्रकोष्ठ की ओर से फरवरी मह के आरंभ में महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी की जीवनी पर आधारित एक रोचक ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वामी जी के आदर्शों के प्रति जागरूक करना था। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को कॉलेज की वेबसाइट्स पर दिया गया वीडियो देखकर कुछ प्रश्नों के उत्तर देने थे। सभी सही उत्तर देने वालों के नामों को लक्की-ड्रा के माध्यम से विजेता घोषित करना था। कार्यक्रम के अंत में 32 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही उनके जीवन से मिलने वाली प्रेरणा को अपने शब्दों में व्यक्त करने वाले विजेता के रुप में वाणिज्य विषय के विद्यार्थी मयंक (अनुक्रमांक -4898) को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया और विशेष रुप से पुरस्कृत किया गया।

<u>महिला विकास प्रकोष्ठ</u>

संयोजिका -डॉ. रुक्मिणी

महिला विकास प्रकोष्ठ स्त्रियों के जीवन और जागरूकता से जुडी विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उन्हें आत्म-निर्भर बनाने के लिए कार्य करती है। इस वर्ष प्रकोष्ठ ने 'मेधाविनी सिंधु सृजन' के साथ मिलकर 25 सितंबर, 2019 को एक वार्ता आयोजन किया जिसका विषय 'अनुच्छेद 370 और 35A का अंत : महिला सशक्तीकरण की ओर एक कदम ' रखा गया था। इसमें एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता श्री सुशील यादव और सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री यशराज बुंदेला को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के आरंभ में अंग्रेजी विभाग की श्रीमती रेणुका धर बजाज ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए महिलाओं और कश्मीरी पंडितों के अत्याचार से सभा को अवगत कराया और कहा कि अनुच्छेद 370 और 35 ए का निरस्त किया जाना सरकार की और विशेष रूप से कश्मीरी पंडितों और महिलाओं के लिए एक सराहनीय पहल है। तत्पश्चात श्री बुंदेला ने छात्रों को कश्मीर और लद्दाख के लिए इन अधिनियमों के कानूनी निहितार्थ से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इनके निरस्तीकरण ने कश्मीर को दी गई विशेष स्थिति को रद्द कर दिया गया है। उन्होंने राज्य के लोगों को आरक्षण, शिक्षा के अधिकार और सूचना के अधिकार जैसे सरकारी कार्यक्रमों के लिए सक्षम बनाने के लिए निरस्तीकरण को उचित ठहराया। इसके बाद श्री सुशील यादव ने छात्रों को कश्मीर के सुनहरे इतिहास पर प्रकाश डाला और इस कदम को कश्मीर में सार्वजनिक व्यवस्था और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा कदम बताया।

प्रकोष्ठ के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाने के लिए 'थिंक इंडिया' के सहयोग से 7 मार्च, 2020 को 'आधुनिक समय में महिलाओं की बदलती स्थिति' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती ममता, इसू सचिव सुश्री शिवांगी खारवाल और सुधी वक्ता सुश्री निधि त्रिपाठी को वक्तव्य के लिए आमंत्रित किया गया था। आरंभ में श्रीमती ममता ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया और आधुनिक समाज में महिलाओं की बदलती भूमिका के संदर्भ में विद्यार्थियों को बताया। फिर सुश्री खारवाल और सुश्री त्रिपाठी ने महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए और इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि भारतीय महिलाएं प्राचीन काल से ही हमारे समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। सभागार में मौजूद सभी लड़कियों, महिलाओं और कर्मचारियों ने एक महिला होने पर गर्व महसूस किया।

<u>नाट्य समिति 'नेपथ्य'</u>

संयोजक : डॉ॰ हरीश अरोड़ा **छात्र प्रतिनिधि : तवाफ, नसीब**

कॉलेज की नाट्य समिति 'नेपथ्य' द्वारा इस वर्ष फिल्म एप्रिसिएशन सोसाइटी के साथ मिलकर Film appreciation and interactive session on the technicalities of acting profession" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। उड़ान की फिल्म एप्रिसिएशन और फोटोग्राफी सोसाइटी के संयोजक सुशील कुमार, मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं निर्देशक अतुल गंगवार जी ने अभिनय एवं सिनेमा के संबंध पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि माइम एक्टर स्वप्न कुमार सरकार कार्यशाला में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। 26 फरवरी, 2020 को समिति द्वारा एक दिवसीय नाट्योत्सव 'गूंज 2020' का आयोजन किया गया, जिसमे नुक्कड़ नाटक, रंगमंचीय नाटक, मोनो एक्ट तथा इंप्रोवाईसेशन प्रतियोगिताओं को सम्मिलित किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विभिन्न महाविद्यालयों और संस्थानो से सम्बद्ध नुक्कड़ नाटक की 40 टीमों ने पंजीकरण करवाया और उसमें से 12 टीमों को प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नाटक और रंगमंच के प्रतिष्ठित लेखक और निर्देशक पद्मश्री दया प्रकाश सिन्हा ने भारतीय रंगमंच की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए गंभीर रंगमंचीय नाट्य पाठों की कमी पर चिंता भी व्यक्त की। इसके अतिरिक्त नाट्य टीम में ने दिल्ली लीगल सर्विसेस अथॉरिटी की और से कई स्थलों पर नारी सशक्तिकरण पर आयोजित नुक्कड़ नाटकों का प्रदर्शन किया। 'नेपथ्य' की और से प्रतिष्ठित 'उड़ान' प्रतियोगिता में भाग लेते हुए नुककड़ नाटक में तीसरा स्थान प्राप्त किया। नेपथ्य की और से विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुय अनेक पुरस्कार प्राप्त किए।

<u>फ़िल्म एप्रीशिएशन समिति</u>

संयोजिका - डॉ. रुक्मिनी

फिल्म प्रशंसा समिति की भूमिका विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए केवल मंच प्रदान करने के लिए नहीं है, बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए एक स्रोत के रूप में भी काम करना है। यह समिति समसामयिक मुद्दों से संबंधित फिल्मों और वृत्तचित्रों के माध्यम से छात्रों के बीच सिनेमा के बारे में रुचि को प्रोत्साहित करने की कोशिश करती है। इस सत्र में समिति के द्वारा 13 नवंबर 2019 को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्म निर्देशक सुदीप्तो सेन के सान्निध्य में "द प्रोफेशनल्स ऑफ एक्टिंग प्रोफेशन" विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। इस में वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और निर्देशक श्री अतुल गंगवार जी ने

भी श्रोताओं को संबोधित किया। उन्होंने छात्रों को बताया कि अभिनय एक अंतर्निहित प्रतिभा है, यह सिखाया नहीं जाता है बल्कि उनकी कला को प्रखर और परिष्कृत किया जाता सकता है। इस कार्यक्रम को माइम अभिनेता श्री स्वपन कुमार सरकार जी ने भी संबोधित किया। उन्होंने छात्रों को शारीरिक भाव-भंगिमाओं और चरित्र के बारे में शिक्षित किया। साथ ही उन्होंने अलोस ने 'पेड़ बचाओ' और 'गोलगप्पा - आधुनिक महिला' जैसे सामाजिक मुद्दों पर मोहक प्रस्तुति दी। उडान के फिल्म सोसाइटी से जुड़े श्री आशीष जी के द्वारा निर्देशित एक वृत्तचित्र- 'कितना पानी' को भी दिखाया गया, जिसमें मलिन बस्तियों के दूषित पानी से निपटने और उनके जीवन की कठोर वास्तविकता को भी प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों के द्वारा इस आयोजन की काफी सराहना की गई।

अपशिष्ट प्रबंधन समिति

संयोजक - डॉ. मयंक पांडेय **छात्र प्रतिनिधि -**

अपशिष्ट प्रबंधन समिति कॉलेज परिसर में उत्पन्न अपशिष्ट कागज, प्लास्टिक, खाद्य और जैविक तथा ई-कचरा का प्रबंधन एवं निस्तारण करती है। कॉलेज ने प्रभावी अपशिष्ट कागज के प्रबंधन के लिए 'जागृति' अपशिष्ट पेपर रीसाइक्लिंग से करार किया। इसी के तहत 'जागृति' के कर्मचारियों ने 17 दिसंबर 2019 को कॉलेज से 427.08 किलोग्राम अपशिष्ट पेपर एकत्र किया और उसके बदले में कॉलेज को A4 पेपर के 30 रिम्स (70 जीएसएम) और प्रमाण पत्र प्रदान किए। कॉलेज परिसर में दैनिक रूप से उत्पन्न अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित करने के लिए कार्यालय, स्टाफ रूम, कंप्यूटर लैब आदि में अपशिष्ट पेपर बॉक्स/कार्टन बॉक्स रखे गए हैं। हाल ही में पर्यावरण अनुकूल पहल के अंतर्गत कॉलेज की ओर से इस सत्र के सभी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में दिए जाने वाले कागज के प्रमाणपत्रों के स्थान पर पासवर्ड और क्यूआर कोड संरक्षित ई-सर्टिफिकेट देने का निर्णय लिया गया है। खाद्य एवं जैविक अपशिष्ट के निपटारे के लिए कॉलेज के परिसर में कम्पोस्ट पिट का निर्माण किया गया है। जैविक कचरे के प्रभावी और तीव्र निस्तारण के लिए प्रभावी सूक्ष्म जीवों (ईएम) के घोल को कम्पोस्ट गड्ढे में एकत्रित जैविक कचरे पर छिड़का जाता है। वर्तमान में इस विधि के द्वारा लगभग 350-400 किलोग्राम जैविक खाद बनाई गई है, जिसका उपयोग बागवानी में किया जाएगा।
कॉलेज प्रशासन ने कॉलेज परिसर को एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने तथा प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन का अभियान शुरू किया है। अपशिष्ट प्लास्टिक उचित मात्रा एकत्रित हो जाने पर इंडियन पोल्यूशन कण्ट्रोल एसोसिएशन (IPCA) के कर्मचारियों को बुलाया जाता है जो कचरे के उचित प्रबंधन हेतु उसे अपने साथ ले जाते हैं. इसके बदले IPCA कॉलेज को प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित प्रबंधन का प्रमाण पत्र प्रदान करता है। एकत्रित प्लास्टिक का वजन हर अभियान के साथ लगातार बढ़ता रहा है। अब तक, चार बार (14.12.2019, 29.01.2020, 17.02.2020 और 24.02.2020) IPCA के सहयोग से कॉलेज द्वारा प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) अथवा प्रभावी निपटारे के लिए लगभग 50 किलोग्राम अपशिष्ट को एकत्रित कर उचित स्थान पर भेजा गया है। इसी प्रकार कॉलेज परिसर में एक बार फिर छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सहायता ई-कचरे को एकत्रित किया गया है। इस बार, कॉलेज ने 'करो संभव' नामक भारत के अग्रणी निर्माता उत्तरदायित्व संगठन (CPCB) से संपर्क किया जो लम्बे समय से ई-कचरे का बेहतर एवं वैज्ञानिक प्रबंधन कर रही है। भारत सरकार के ई-कचरा (प्रबंधन और हैंडलिंग) नियम, 2011 का अनुपालन करते हुए कॉलेज द्वारा 30 जून 2020 से पहले ई-कचरे के लिए वार्षिक रिटर्न भी दाखिल करेगा, जो कॉलेज स्तर पर एक नई पहल होगी।

चिकित्सा समिति

संयोजक- डॉ. नागेन्द्र शर्मा

कॉलेज की चिकित्सा समिति उत्कृष्ट शैक्षणिक परिवेश प्रदान करने के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज के मूल दर्शन 'सबका कल्याण' को मूल मंत्र मानती है। कॉलेज की चिकित्सा समिति विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए आपातकालीन दवाओं के आवश्यक स्टॉक की व्यवस्था करती है। इस समिति के सुझाव पर कॉलेज में एक चिकित्सा कक्ष स्थापित की गई है, जहाँ पैरामेडिक और योग्य मनोवैज्ञानिक उपलब्ध रहते हैं और कॉलेज परिवार की चिकित्सा संबंधी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। कॉलेज के विद्यार्थियों, अध्यापकों और कर्मचारियों के लिए मनोवैज्ञानिक और पैरामेडिक फोन पर भी चिकित्सकीय सहायता प्रदान करते हैं। स्वास्थ्य जागरूकता को ध्यान में रखकर चिकित्सा समिति ने कॉलेज के योगा-क्लब और दिल्ली विश्वविद्यालय की समिति 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सर्विसेज' के सहयोग से 06 फरवरी 2020 को "एलर्जी जागरूकता" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। इस अवसर पर सर गंगा राम अस्पताल के 'बाल रोग विशेषज्ञ और एलर्जी विशेषज्ञ' डॉ. नीरज गुप्ता ने श्रोताओं के समक्ष विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट किया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना

संयोजिका- डॉ. ईशा वर्मा **छात्र प्रतिनिधि- मोहित कुमार सिंह**

कॉलेज की यह इकाई पूरे साल विभिन्न सामाजिक सेवा योजनाओं में सलग्न रहती है। विद्यार्थियों में मानवोचित गरिमा के तहत् सेवा भावना का विकास करना एवं निरंतर समर्पित रहने की प्रेरणा प्रदान करना, इस सेवा योजना का मूल उद्देश्य है। विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशन में इस साल भी इस योजना के अंतर्गत अनेक नए विद्यार्थियों को सम्मिलित किया और इस समय कोर सदस्यों सहित लगभग सौ विद्यार्थी इस सेवा योजना से जुड़े हैं । राष्ट्रीय सेवा योजना के अभिविन्यास समारोह को 2019 के जुलाई महीने में आयोजित किया गया। इस समारोह में यह नए सदस्यों का स्वागत करने के साथ-साथ उन्हें इस योजना के बारे में जागरूक किया गया और उनका वरिष्ठ सदस्यों के साथ परिचय कार्य गया। अगस्त, 2019 में कॉलेज परिसर में एक सफाई अभियान चलाया गया था, जहां सभी नए-पुराने सदस्यों और उनके समन्वयकों ने पूरे कॉलेज परिसर में बिना किसी झिझक के सफाई कार्य को संपन्न किया।

तत्पश्चात 14 अगस्त 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्यों द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गई और स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस शपथ ने उन्हें समाज और पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों का एहसास कराया। सभी ने स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता रैली का भी आयोजन किया, जिसमें स्वच्छता से जुड़े ज्वलंत नारे लगाए गए और घर-घर जाकर समाज को जागरुक करने का प्रयास किया गया। हर साल एनएसएस एक वृक्षारोपण अभियान भी चलाता है, जिसके तहत सैकड़ों पेड़ लगाए जाते हैं। इस वर्ष हमारे कॉलेज के प्राचार्य और संयोजक के मार्गदर्शन में समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों ने आस-पास के क्षेत्र में लगभग पच्चीस पेड़ लगाए। इतना ही नहीं बल्कि प्रत्येक पेड़ को एक सदस्य को देखभाल करने की जिम्मेदारी दी गई।

5 सितंबर 2019 को आपदा प्रबंधन से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ताकि इस योजना से जुड़े सदस्यों को प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। 20 सितंबर 2019 को

विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए एक संग्रह अभियान चलाया गया, जिसमें जरूरत मंदों के लिए दान के लिए प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 11 नवंबर 2019 को एकता दिवस मनाया गया, जिसमें विविधता में एकता को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम को भी प्रस्तुत किया गया। 24 जनवरी 2020 को सभी योग्य सदस्यों को मतदान की शपथ दिलाई गई। उन्होंने शपथ लेते हुए यह भावना व्यक्त की कि वे राष्ट्र के एक जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करेंगे औरमतदान करके अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। सचमुच यह सेवा योजना सैकड़ों युवाओं का एक कर्तव्यनिष्ठ परिवार है, जो अपने कार्यों के साथ-साथ बृहत् समाज की सेवा करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। यह अपने समाजिक दायित्व को प्राथमिकता देते हुए, "नॉट बी बट यू" के साथ काम करता है। हम आशा करते हैं कि एनएसएस परिवार भविष्य में भी देश के लोगों की सेवा करता रहे।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

ए.एन.ओ.- श्री हरि प्रताप **एस.यू.ओ.- अक्षत द्विवेदी और रिया मिश्रा**

इस वर्ष कॉलेज की एन.सी.सी. यूनिट में 160 लड़के एवं 48 लड़कियों ने अपना पंजीकरण करवाया। लेफ्टिनेंट रेनू जॉनवाल और लेफ्टिनेंट हरिप्रताप के मार्गदर्शन और एसयूओ अक्षत द्विवेदी और एसयूओ रिया मिश्रा के नेतृत्व में इस वर्ष हमारे 5 लड़के और 2 लड़कियों ने आरडी कैंप-2020, 2 लड़कियों और 1 लड़के ने टीएससी कैंप-2019, 1 लडके ने पैरा बेसिक कोर्स-2019, 3 लड़कियों ने प्रधानमंत्री रैली-2020, 1 लड़की ने एजेजे शिविर-2019, 14 कैडेट्स ने मुख्यमंत्री रैली में भाग लिया। तदंतर 14 कैडेट्स ने ई.बी.एस.बी. शिविरों में भाग लिया और उत्साहपूर्वक सेना के शैक्षिणिक महत्व के विषयों को सीखा। इस इकाई के कैडेट्स ने अनेक कैंप्स एवं कार्यक्रमों में उत्साह एवं अनुशासन के साथ हिस्सा लिया। जिनमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, झंडा दिवस, युवा दिवस, जल संरक्षण दिवस, स्वछता मिशन आदि से जुडी गतिविधियां उल्लेखनीय हैं।

इस वर्ष कई कैडेट्स ने 15 से अधिक राज्य और राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में भाग लिया और राष्ट्रीय एकता जागरूकता कार्यक्रम और ड्रिल, नृत्य, गायन, रंगोली मेकिंग, पोस्टर मेकिंग और बास्केटबॉल आदि प्रतियोगिता में पुरस्कार जीते। सितंबर 2019 में हमने रैंक सेरेमनी का आयोजन किया जिसमें अपने कैडेट्स के कर्तव्यपरायण निष्ठा को परखा। हमारे '3-पीजीडीएवी कंपनी' के कैडेट्स ने अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर क्वार्टर गार्ड, स्क्वाड ड्रिल, बेस्ट कैडेट और पोस्टर मेकिंग प्रतिस्पर्धाओं में पुरस्कार जीते। आज हम प्रबल-2020 के शानदार अवसर पर '3 PGDAV Coy' की अपनी विरासत को अक्षुण्ण रखने के लिए कृतसंकल्पित हैं।

शुभ आशीष

संयोजक - डॉ. विनीत कुमार सिन्हा

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के द्वारा वर्ष 2018 के अगस्त महीने में मानवीय संवेदनाओं पर आधारित 'शुभ आशीष' नामक विशेष आभियान का आरंभ किया गया था, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के सभी विभाग के विद्यार्थी प्रत्येक महीने में कम से कम एक बार या अधिकतम दो बार वृद्धाश्रम का दौरा करते हैं। 'शुभ आशीष' के संयोजक को भी विद्यार्थियों के साथ वहाँ जाना पड़ता है। 2019-20 के शैक्षिणिक सत्र में शुभ-आशीष समूह के सदस्य अपनी योजनाओं के अनुरुप निरंतर जाते रहे। विशेषकर त्यौहारों के अवसर पर अवश्य गए और उनके साथ मनाया। अक्सर विद्यार्थी अपना जन्मदिन उनके साथ ही मनाते है। इस अवसर पर केक काटने के उपरांत वहाँ के प्रबंधन की अनुमति से वृद्धों को मिठाईयां, चौकलेट और फल भी खिलाते हैं। फिर

उनकी सेवा शुरू होती है। हम सभी उनके बालों में तेल लगाते हैं, कंघी करते हैं, मालिश भी करते हैं। दोपहर के समय वहाँ होने पर उन्हें शुभ आशीष के विद्यार्थी न केवल भोजन परोसकर खिलाते है, अपितु उन्हें अपने हाथों से भी खिलाते हैं। दवा खिलाने के समय विद्यार्थी उन्हें दवा भी खिलाते हैं और कुछ बच्चे नेलकटर ले जाकर उनके नाखून काटने का काम भी करते हैं। इस बार दिवाली और होली में उनके साथ बिताए गए पलों को और उनकी खुशी को शब्दबद्ध करना संभव नहीं है, बल्कि यह महसूस करने वाला दिव्य आनंद का विषय है। अंत में वहाँ से आने के पहले हम सभी उनके साथ नृत्य और कौतुक भी करते है। इन भावनात्मक क्रीडाओं का सबसे आकर्षक पहलू यह है कि जो भी बुजुर्ग (महिला पुरूष दोनों) खड़े हो पाने की स्थिति में होते हैं, वे सभी इनमें भागीदारी भी करते हैं। यहाँ यह बताना भी जरूरी है कि वे सभी सैकड़ों की संख्या में रहकर भी अकेलेपन का शिकार हैं। यह स्थिति उनके अकेलेपन और परिवार से बिछूड़नेकी पीड़ा को भुलाने में सहायता करती है। इस समय इस मुहिम से लगभग 400 विद्यार्थी बहुत उत्साह के साथ जुड़े हैं ।

शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ वृद्धा आश्रमों में जाना इसलिए प्रासंगिक और महत्त्वपूर्ण है कि इससे हम सब में एक प्रकार से भावनात्मक परिष्कार होता है। कॉलेज के इस मुहिम में कई शिक्षक भी बड़े ही तन्यम्यता से जुड़े हैं। वृद्धा निवासों में जाने का दिन शनिवार तय है और इस बात का पूरा ख्याल रखा जाता है कि इस अभियान से जुड़े विद्यार्थी अपनी-अपनी कक्षा शुरू होने से पहले कॉलेज पहुँच जाएँ। इस कार्य को राष्ट्रीय स्तर पर उस समय और भी पहचान मिली जब 26 नवंबर 2018 को संविधान दिवस के शुभ अवसर पर दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में शुभ आशीष के संयोजक को 'कबीर के लोग' और 'इंडिया फाउंडेशन' के संयुक्त तत्वावधान में 'नीलकंठ और डेमोक्रेसी डिफेंडर' नामक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शुभ आशीष के द्वारा लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए 'दीया मार्च' और 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस' के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कॉलेज के ही एक वरिष्ठ सहयोगी के सुप्रयास का परिणाम यह रहा कि इस वर्ष परिवार के सदस्यों द्वारा घर से बाहर निकाल दिए गए एवं दर-दर भटक रहे गुजरात के एक बुजुर्ग को गुरू विश्राम वृद्ध आश्रम में रखवाने में सफलता मिली। अब वहाँ कम से कम उन्हें नास्ता खाना और दवाइयाँ समय पर मिल रहा है।

कोरोना वायरस से होने वाले इस महामारी के विकट और लॉकडाउन की परिस्थिति में कॉलेज गुरु विश्राम वृद्ध आश्रम के जरूरतमंद वृद्धजनों को मदद करने में पीछे नहीं हटा है। कॉलेज ने इस आश्रम के जरूरत के अनुसार और वहाँ के प्रबंधक के कहने पर डिटॉल,सर्फ,साबुन,डायपर, वनस्पति तेल,रस्क जैसे खाद्य एवं अखाद्य पदार्थों को देने का काम किया है। शुभ आशीष की ओर से कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी को इस मानवीय सहायता के लिए बहुत बहुत धन्यवाद और उनके प्रति आभार। हमें उम्मीद है की ऐसे प्रयास से बच्चों सहित उनके माता-पिता में एक सकारात्मक परिवर्तन होगा, जिससे मजबूरी पर आधारित वृद्ध आश्रमों की जरूरतों को समाप्त किया जा सके और अपने घर से अपनों द्वारा बाहर निकालने की कु-प्रवृत्ति को खत्म किया सके।

मेंटोर- मेंटी प्रकोष्ठ (Mentor Mentee Cell)

संयोजक - श्रीमती उदिता अग्रवाल

सदस्य - श्री उदय शर्मा

यह प्रकोष्ठ हमारे कॉलेज में पिछले पांच वर्षों से प्रचलन में है, जिसमें मेंटोर-मेंटी प्रणाली (Mentor-Mentee System) को सक्रियता प्रदान की जाती है। इसके तहत कॉलेज के सभी छात्रों को लघु-समूहों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक शिक्षक को एक समूह के लिए परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया जाता है। प्रत्येक परामर्शदाता (Mentor) अपने समूह के विद्यार्थियों के साथ संपर्क में रहता है और उन्हें किसी भी प्रकार की शैक्षणिक और व्यक्तिगत समस्या की स्थिति में उचित सलाह देता है और यथासंभव उसे हल करने में उनकी मदद करता है। यह प्रणाली छात्र को मेंटोर के रूप में मानसिक शक्ति देती है और इससे छात्र लाभान्वित होते हैं। इस वर्ष इस व्यवस्था को आगे बढ़ाने और परामर्शदाता और विद्यार्थी के बीच मानवीय बंधन को मजबूत करने के लिए परामर्शदाताओं को एक सेमेस्टर के स्थान पर पूरे सत्र के लिए नियुक्त किया गया था। वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ-साथ, परामर्शदाता एवं विद्यार्थी की सूची को सभी शिक्षकों और छात्रों को व्यक्तिगत रूप से मेल किया गया था। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा जहाँ परामर्शदाता ने अपने विद्यार्थियों की भरपूर मदद की। साथ ही अपनी सीमा से परे जाकर उन्हें मानसिक और व्यावहारिक रूप से हर तरह का समर्थन दिया। कॉलेज इस प्रणाली के सक्रिय कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

दोपहिया प्रशिक्षण केंद्र 'एक पहल'

नोडल अधिकारी- डॉ. रुक्मिनी और डॉ. मीना शर्मा

स्त्री सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए, 9 मई, 2019 को हीरो मोटोकॉर्प के सहयोग से कॉलेज में 'एक पहल' नामक एक अभियान की शुरुआत की गई। इसके तहत कॉलेज परिसर में स्त्रियों को शुल्क रहित दोपहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस पहल के साथ हमारा कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में पहला कॉलेज बन गया जिसने इस तरह की अनूठी पहल की है। कॉलेज के प्राचार्य के शब्दों में इस पहल का उद्देश्य सिर्फ लड़कियों को दोपहिया प्रशिक्षण प्रदान करना नहीं है, बल्कि उन्हें सशक्त,आत्मनिर्भर बनाना एवं उनमें आत्मविश्वास विकसित करना है। यह प्रशिक्षण केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों की लड़कियों के लिए खुला है। इस प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के बाद से अब तक कई बैच सफलतापूर्वक प्रशिक्षण ले चुके हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु सड़क सुरक्षा नियमों से परिचित होने के अलावा व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं और प्रशिक्षण के बाद उन्हें एक प्रमाण पत्र मिलता है। इसके अतिरिक्त उन्हें लाइसेंस बनवाने में सहायता भी प्रदान की जाती है।

इस पहल की कड़ी में 4-10-2019 को हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के सहयोग से 'सड़क सुरक्षा और मोटर वहां अधिनियम-2019' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी श्री सुनील मल्होत्रा को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। हीरो मोटोकॉर्प प्रतिनिधि और प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक श्री अरुण ने पूरी कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सड़क सुरक्षा नियमों से अवगत कराया और नियमों को सदैव पालन करने की सलाह दी। विद्यार्थियों ने उनकी प्रस्तुति से प्रेरित होकर यह कसम खाई कि न केवल वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करेंगे बल्कि वे ऐसे मुद्दे पर समाज में जागरूकता भी पैदा करेंगे। कार्यशाला के बाद 'Say No to Single Use Plastic' and 'Follow Traffic Rules' जैसे प्रासंगिक मुद्दों पर एक फ्लैश मॉब का आयोजन किया गया, ताकि इन मुद्दों पर छात्रों

में जागरूकता पैदा की जा सके। हीरो मोटोकॉर्प के सहयोग से कॉलेज सड़क सुरक्षा पर एक कार्यशाला आयोजित करने जा रहा है, जिससे छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों और बुनियादी सड़क शिष्टाचार के बारे में सचेत किया जा सके। COVID-19 वायरस के प्रकोप से संबंधित मौजूदा स्थिति को देखते हुए कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी।

<u>सवी</u> (SAVI- Student Association for Verbal Inraction)

संयोजक - डॉ. मयंक पांडेय **छात्र-प्रतिनिधि-**

इस विद्यार्थी समूह की शुरुआत प्राचार्य डॉ. आर.के. गुप्ता (संरक्षक) और डॉ. एस.सी. शर्मा (संयोजक) के संयुक्त निर्देशन में दो विद्यार्थियों के द्वारा 2016 में किया गया था। सेवी (SAVI) कॉलेज की एक महत्वपूर्ण पहल है। जिसमें विद्यार्थी अपनी शब्दावली, व्यक्तित्व विकास और समसामयिक मुद्दों को आधार बनाकर अपनी कक्षाओं का संचालन किया जाता है। इस समय SAVI से जुड़े विद्यार्थियों की संख्या लगभग 30-35 के बीच है। इसके सदस्यों की चयन प्रक्रिया व्यक्तिगत साक्षात्कार पर आधारित होती है, जो वरिष्ठ छात्रों द्वारा आयोजित की जाती है। SAVI के द्वारा विभिन्न अंतः और अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

सतर्कता प्रशिक्षण सप्ताह 2019- इस सत्र में SAVI के द्वारा भारत सरकार की महत्वपूर्ण संस्था भेल (BHEL) के सहयोग से 30 अक्टूबर 2019 (बुधवार) को एक अंतर महाविद्यालय एक्सटेम्पो प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित करके सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2019 मनाया गया। इसका विषय 'अखंडता-जीवन जीने का तरीका' रखा गया था। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.के. गुप्ता जी ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और ओम स्मृति चिहन और एक पुस्तक भेंट करके भेल टीम का स्वागत किया। श्री ए.के. जैन, अतिरिक्त महाप्रबंधक (सतर्कता, PSHQ, PEM, IS, IO, TBG, ROD), BHEL ने दैनिक जीवन और संस्थानों / संगठनों में सतर्कता जागरूकता और भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के महत्व पर बात की। भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रति समर्पण दिखाने के लिए हॉल में मौजूद सभी व्यक्तियों द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिज्ञा ली गई। अलग-अलग कॉलेजों के कुल 28 छात्रों ने पहले दौर में भाग लिया जबकि 10 छात्रों ने दूसरे दौर में प्रवेश किया। भ्रष्टाचार और सतर्कता जागरूकता सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रतिभागियों को दोनों राउंड के लिए दी गई थी। भेल के द्वारा सभी प्रतिभागियों और स्वयंसेवकों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिए गए। श्रीमती उदिता अग्रवाल और डॉ. मयंक पांडे के संयोजकत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भेल के श्री मनीष कुमार और श्री रणजीत सिंह समन्वयक थे। श्रीमती उदिता अग्रवाल और श्री मनोज कुमार ने दोनों दौर के लिए निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय योग दिवस 2020 - भारत में संन्यासियों और आध्यात्मिक नेताओं की महान परंपरा में स्वामी विवेकानंद को एक अनमोल कड़ी माना जाता है। विवेकानंद जन्मदिन12 जनवरी को भारत में हर साल राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। SAVI के द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस 2020 के अवसर पर 'Youth to the youth' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। फिर15-01-2020 को सामाजिक कार्यकर्ता श्री निखिल यादव को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को सौहार्द्रपूर्ण जीवन शैली के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने छात्रों के साथ स्वामी विवेकानंद के जीवन दृष्टि पर प्रकाश डाला। छात्रों ने भी उनसे बातचीत की और स्वामी जी पर अपने विचार साझा किए।

तेजस मार्क-4,2020-15-02-2020 को SAVI नके द्वारा एक अंतर महाविद्यालय कार्यक्रम 'तेजस एमके-4' का आयोजन किया गया। यह तीन स्तरीय प्रतियोगिता थी, यथा- प्रशोत्तरी (प्रथम स्तर), समूह चर्चा (द्विवितीय स्तर) और त्वरित उत्तर (तृतीय स्तर) था। 120 पंजीकृत प्रतिभागियों में से 40 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। बारह छात्रों ने पहले और दूसरे दौर को पूरा किया और तीसरे दौर में प्रवेश किया। अंत में तीन विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्री मनोज कुमार,डॉ. अमित कुमार में शामिल थे। बाद में भारत के राष्ट्रीय ध्वज के विकास पर एक वृत्तचित्र 'तिरंगा' SAVI और SANKALP के स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों के लिए प्रदर्शित किया गया था।

अनुसंधान एवं परामर्श प्रकोष्ठ

संयोजिका- डॉ. रुचिरा पाठक **सह-संयोजक- डॉ. हरोश अरोड़ा**

कॉलेज के अनुसंधान एवं परामर्श प्रकोष्ठ और आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के साथ मिलकर आई.सी.टी. अकादमी दिल्ली के सहयोग से 26 से 31 अगस्त तक सभी विषयों के शिक्षकों के लिए 'संचार कौशल और शिक्षण तकनीकी' विषय पर एक सप्ताह के संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन। इस कार्यक्रम में आईसीटी अकादमी के श्री अनिल ओहरी को "संचार कौशल और शिक्षण तकनीक "विषय पर प्रत्येक दिन तीन सत्रों में विभिन्न कॉलेजों में संकाय सदस्यों को विशेष प्रशिक्षण देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने विभिन्न सत्रों में संचार, व्यक्तित्व के लक्षण और शिक्षकों की कोटियाँ, रचनात्मक शिक्षण, तनाव प्रबंधन, तनाव को कम करने के उपाय, छात्रों के मानस को समझना,शिक्षार्थियों के प्रकार,पारंपरिक बनाम शिक्षण की नवीन पद्धतियाँ, चुनौतियां और शिक्षण का महत्व, शिक्षा प्रणाली की जवाबदेही, शिक्षण में व्यावसायिकता का महत्व और रचनात्मकता को प्रेरित करने के तरीके आदि विषयों पर इन सत्रों में विचार व्यक्त किए।

महान आध्यात्मिक चिंतक संत गुरु नानक देव जी के 550 वें प्रकाश पर्व (जयंती) को मनाने के लिए प्रकोष्ठ के द्वारा दक्षिणा फाउंडेशन के सहयोग से18-19 अक्टूबर 2019 को "श्री गुरु नानक देव जी का जीवन: दार्शनिक चिंतन और मूल्य' विषय पर," विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी को आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में शामिल होने वाले अन्य लोगों में विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष अध्यक्ष श्री आलोक कुमार, भारतीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य श्री मंजीत सिंह जी, प्रो. कुमुद शर्मा, प्रो. पूरनचंद टंडन (हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) प्रो.सुशील शर्मा और डॉ. हरप्रीत कौर, (प्राचार्य,माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय) प्रमुख थे। यह एक बहुभाषी सम्मेलन था। इसके विभिन्न सत्रों के दौरान, 80 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इस संगोष्ठी में गुरु नानक देव के ऐतिहासिक और राजनीतिक योगदान, समकालीन भारत में उनकी शिक्षाओं के महत्व, सामाजिक न्याय, समानता और स्वयं सेवा आदि पर उनके द्वारा दिए गए सिद्धांतों का पालन करने की आवश्यकता, संगीत की भूमिका के बारे में चर्चा की गई ।

पुनः प्रकोष्ठ के द्वारा आईसीटी एकेडमी (भारत सरकार के पहल पर गठित गैर लाभकारी संगठन) के सहयोग से 21 अक्टूबर 2019 से 14 मार्च, 2020 तक अंतिम वर्ष के वाणिज्य अध्ययन से संबंधित छात्रों के लिए वित्तीय साक्षरता में रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम-BFSI (बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा) का आयोजन किया। यह कार्यक्रम रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस मनी सामाजिक पहल द्वारा उनके सीएसआर पहल के

एक भाग के रूप में प्रायोजित किया गया था। मूल रूप से यह छात्रों के कौशल विकास के मुख्य उद्देश्य के साथ वित्तीय साक्षरता में एक रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम था जो उभरते आर्थिक वातावरण के लिए प्रासंगिक माना जाता है। इस गहन गतिविधि आधारित 200 घंटे के प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया था। पहले भाग में छात्रों के सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट जैसे-इंटरपर्सनल स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, लीडरशिप स्किल्स और कॉन्फिडेंस बिल्डिंग आदि शामिल किए गए थे और दूसरा भाग वित्तीय साक्षरता में प्रशिक्षण से संबंधित था। जिसमें छात्रों को बैंकिंग और वित्तीय साधनों, बिजनेस पत्राचार, ग्राहक-प्रबंधन से परिचित कराया गया था। पीपीटी के माध्यम से धन और बीमा का प्रबंधन, मॉक सेशन, केस स्टडी आदि पर प्रकाश डाला गया। आधुनिक बैंकिंग में कुछ तकनीकी पहलुओं से भी निपटा गया। इस कार्यक्रम के समापन पर, छात्र एक सफल प्रशिक्षित प्रतिभागी के रूप में सामने आए। चूंकि यह एक रोजगारोन्मुख कार्यक्रम था, इसलिए छात्रों के पास प्लेसमेंट सुविधाएं भी थीं। प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की भर्ती के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कॉरपोरेट्स के साथ गठजोड़ किया गया था। हमारी संस्था में इस वित्तीय समावेशन को लाना निश्चित रूप से छात्रों के सशक्तीकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम कहा जा सकता है।

प्रतिपुष्टि एवं परिणाम विश्लेषण प्रकोष्ठ (Feedback and Result Analysis Cell)

संयोजिका- श्रीमती उदिता अग्रवाल **सह-संयोजक - श्री आदित्य प्रताप सिंह**

प्रतिपुष्टि एवं परिणाम विश्लेषण प्रकोष्ठ पिछले कई वर्षों से कॉलेज में शिक्षण के बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए छात्रों से प्रतिपुष्टि ले रही है। यह कार्य प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में ऑनलाइन संपन्न किया जाता है। इन प्रतिपुष्टियों के आधार पर अनेक कोणों से विश्लेषण किए जाते हैं। उनमें से मुख्य हैं- विद्यार्थियों का आत्म-मूल्यांकन और समूह विश्लेषण, हर विभाग की प्रतिपुष्टि का विश्लेषण, शिक्षकों के व्यक्तिगत फीडबैक का विश्लेषण तथा कॉलेज प्रशासन से संबंधित फीडबैक का विश्लेषण। ये सभी विश्लेषण रिपोर्ट के साथ IQAC सेल को सौंप दिए जाते हैं। यह प्रकोष्ठ आवश्यक रिपोर्ट देकर संस्था की बेहतरी के लिए आवश्यक सुधारों के बारे में निर्णय लेने में IQAC सेल की मदद करता है।

पिछले साल की तरह इस शैक्षणिक सत्र में भी दोनों सेमेस्टर में विद्यार्थियों से फीडबैक लिया गया। ऑड सेमेस्टर के लिए सभी फीडबैक का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया गया है और इससे संबंधित सभी प्रकार के विवरणों को IQAC सेल को भी सौंप दिए गए हैं। शिक्षकों के व्यक्तिगत फ़ीडबैक विश्लेषण को उन्हें ईमेल के माध्यम से भेजा जा चुका है। सम या इवेन सेमेस्टर से प्रतिक्रिया का विश्लेषण भी प्रगति पर है और शीघ्र ही IQAC सेल को प्रस्तुत किया जाएगा। हमारे कॉलेज के फीडबैक फॉर्म का एक महत्वपूर्ण संभाग विद्यार्थियों के "आत्म विश्लेषण" के संदर्भ में है, जिसमें विद्यार्थियों को कॉलेज के द्वारा प्रदान की जाने वाली विशेष सुविधाओं के बारे में उनकी जागरूकता से संबंधित है। इसके तहत उन्हें कक्षाओं एवं कॉलेज परिसर में उनके अपने व्यवहार के बारे में खुद को एक रेटिंग देने के लिए भी कहा जाता है। इसका मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिरीक्षण करने के लिए प्रेरित करना है। पिछले कुछ फीडबैक विश्लेषणों के तुलनात्मक अध्ययन से यह प्रकट होता है कि आत्म-निरीक्षण की प्रक्रिया ने बहुत सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं।

योग सभा (Yoga Club)

संयोजिका- डॉ. श्रुति विप **विद्यार्थी समन्वयक - अनुज कुमार**

योग प्रशिक्षक - अजय दुबे

दैनिक जीवन में योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से यौगिक अभ्यासों को आत्मसात करने का एक प्रयास है। योग सभा ने 21 जून 2019 को जलधिकर फाउंडेशन और सत आनंद योग आश्रम ट्रस्ट के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। सत आनंद योग आश्रम ट्रस्ट से पधारे निपुण योग विशेषज्ञ सुश्री सौम्या ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त योग विधि से एक योग और ध्यान अभ्यास सत्र का नेतृत्व किया और यौगिक आसन, प्राणायाम के तकनीकी पहलुओं के महत्व को समझाया। WUS-DUC, कॉलेज की चिकित्सा समिति और योग सभा के संयुक्त प्रयास से 6 फरवरी 2020 को एलर्जी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली के बाल रोग एवं एलर्जी विशेषज्ञ डॉ. नीरज गुप्ता ने इम्यूनोथेरेपी के रूप में योग के महत्व को रेखांकित किया। 27 और 28 फरवरी 2020 को सांस्कृतिक उत्सव 'फलक' के दौरान योग सभा की गतिविधियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। अंतर महाविद्यालय योग प्रतियोगिता में छात्रों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन कर नकद पुरस्कार जीते। योग सभा साप्ताहिक आधार पर नियमित योग कक्षाएं चलाता है जिससे योगाभ्यास और आध्यात्मिक विचारों की संस्कृति का निर्माण होता है। अभ्यास सत्र कॉलेज के पूर्व छात्र एवं योग प्रशिक्षक अजय दुबे के नेतृत्व में होता है।

कॉलेज कैडेट कोर 'संकल्प'

संयोजक - डॉ॰ हरीश अरोड़ा **छात्र-प्रतिनिधि - क्षितिज और डॉली**

इस वर्ष संकल्प (कॉलेज कैडेट कॉर्प्स) में 32 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। इन विद्यार्थियों को पूर्व सीनियर अंडर ऑफिसर प्रदीप प्रजापति तथा डॉ॰ हरीश अरोड़ा द्वारा वर्ष भर एनसीसी की तरह पूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। इस सत्र के आरंभ में दिनांक 31 जुलाई 2019 को डॉ॰ सुरेश चन्द्र शर्मा द्वारा आपदाओं की स्थिति में कैडेट्स को किस तरह नियंत्रण करना चाहिए, इसका प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त 7 नवंबर, 2019 को सीआरपीएफ़ के एसआई श्री अमित कुमार झा द्वारा विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास के संबंध में व्याख्यान दिया गया। दिनांक 15 -16 फरवरी 2020 को दो दिवसीय कैंप का आयोजन कॉलेज में ही किया गया। इन दो दिनों में विद्यार्थियों को ड्रिल, पीटी, ट्रैकिंग और अन्य गतिविधियों से डॉ॰ सुरेश चन्द्र शर्मा ने परिचित कराया तथा अनेक सत्रों में व्याख्यान भी आयोजित हुए। इस अवसर पर प्रचार्य डॉ॰ रवीन्द्र कुमार गुप्ता ने भी 'राष्ट्र निर्माण में भूमिका' विषय पर उन्हें संबोधित करते हुए उनके महत्व को रेखांकित किया।

<u>शारीरिक शिक्षा विभाग</u>

निर्देशक - डॉ. प्रमोद सेठी

2019-20 सत्र में जूडो, वॉलीबॉल, फूटबॉल और क्रिकेट से संबद्ध खेल कोटे के अंतर्गत 8 विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद (DUSC) के द्वारा कॉलेज के शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग को इस सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में ताइक्वांडो (महिला एवं पुरुष) और भारोत्तोलन खेल वर्ग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए खेल-परीक्षण की जिम्मेदारी प्रदान की गई थी, जिसे सफलता पूर्वक संपन्न किया गया।

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग दो स्तरों पर कार्य करता है- एक शारीरिक शिक्षा विभाग के दवारा स्वीकृत पाठ्यक्रम से जुड़े आवेदन (Application) और जेनेरिक प्रश्नपत्रों का शिक्षण और दूसरा पर्यवेक्षण सहित कॉलेज के छात्रों के लिए पर्याप्त खेल सुविधाएं प्रदान करना। कॉलेज में स्थित शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके इच्छा-शक्ति को भी सुदृढ़ एवं प्रबल बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है एवं यथोचित खेल-सुविधाएं, छात्रवृति आदि दी जाती है।

शारीरिक शिक्षा विभाग के विविध खेलों से जुड़े 13 टीमों में सम्मिलित 80 खिलाड़ियों ने महाविद्यालय की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न अन्तरमहाविद्यालय, राष्ट्रीय, राज्य-स्तरीय, वैयक्तिक एवं मुक्त प्रतियोगिताओं में भाग लिया। साथ ही कॉलेज की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय की अंतरमहाविद्यालय एवं देश के अंतरविश्वविद्यालय, जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय आदि प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 8000/, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 5000/ एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 3000/ रुपये के नकद पुरस्कार सहित ट्रैकसूट, टी-शर्ट,ट्रॉफी एवं स्पोर्ट्स-कीट प्रदान किए गए।

इस साल हमारे छात्रों में B.A (प्रो.) तृतीय वर्ष के छात्र प्रिंस ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिता में में भाग लेकर पावर लिफ्टिंग में प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया। B.A (प्रो.) द्वितीय वर्ष के छात्र उज्ज्वल कुमार ने 45 जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैम्पियनशिप में भाग लिया और B.A (प्रो.) प्रथम वर्ष के अभिसक ने 10 मीटर राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया। इस साल पांच जूडो खिलाड़ियों (महिला एवं पुरुष) ने कौशल और समर्पण का अच्छा प्रदर्शन किया। इनमें से बी.ए.(प्रो.) प्रथम वर्ष के चंद्रशेखर भाटिया ने प्रथम और हर्ष रितोलिया ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में तृतीय स्थान (कांस्य पदक) हासिल किए। ताइक्वांडो खेल से जुड़े बी.एस.सी.(ऑनर्स) गणित के अभिमन्यु मौर्य ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में तीसरा स्थान(कांस्य पदक) हासिल किया।

कॉलेज के क्रिकेट टीम ने इस वर्ष जबरदस्त प्रदर्शन दिखाया और दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय टूर्नामेंट में हंस राज कॉलेज, सेंट स्टीफन कॉलेज और राम लाल कॉलेज को हराया। साथ ही वॉलीबॉल (पुरुष) टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज, यूथ दिल्ली स्टेट, महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज वॉली बॉल आमंत्रण टूर्नामेंट कॉलेज से भाग लिया। कॉलेज के बास्केट बॉल टीम ने वाईएमसीए आमंत्रण प्रतिस्पर्धा एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर महाविद्यालय बास्केट बॉल टूर्नामेंट में भी अच्छा प्रदर्शन किया।

इसके अतिरिक्त फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालय प्रतिस्पर्धा में श्रेष्ठ कौशल दिखाया और रिलायंस मुक्त आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट में भी भाग लिया। इसी प्रकार

कबड्डी टीम के खिलाड़ियों ने टीम एकता को निभाते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय अंतरमहाविद्यालय और आमंत्रण टूर्नामेंट खेले।

इस वर्ष प्राध्यापक वर्ग से श्री डी.एन. कालिया सेवानिवृत हुए। मैं उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।

अब मैं अपने कॉलेज के प्रशासकीय समिति के अध्यक्ष श्री टी.एन. चतुर्वेदी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सार्थक निर्देशन एवं प्रेरणा से कॉलेज निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है । साथ ही प्रशासकीय समिति के अन्य सभी कर्मठ सदस्यों के प्रति मैं कृतज्ञ हूँ जिनके अथक सहयोग से कॉलेज के प्रबंधन का संचालन निर्बाध गति से हो रहा है। कॉलेज के पूर्व प्राचार्य श्री मोहनलाल जी के लिए मेरे मन में अपार श्रद्धा का भाव है,क्योंकि उनका सानिध्य एवं परामर्श सदा कॉलेज के लिए हितकर सिद्ध हुए हैं।

कॉलेज के कर्मठ आचार्यों ने शिक्षा के लिए रचनात्मक एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के निर्माण में सदैव भरपूर योगदान दिया है, इसलिए मैं उन सबके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। इसी प्रकार मैं प्रशासनिक, लेखा-विभाग, पुस्तकालय आदि में कार्यरत सभी कर्मचारियों को कॉलेज के प्रति उनकी सेवा के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। मैं सभी विद्यार्थियों को भविष्य में होनेवाली परीक्षाओं में अच्छे परिणाम के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और यह कामना करता हूँ कि वे जीवन के कर्म-क्षेत्र में अपने शुभ लक्ष्यों को प्राप्त करने में सदैव सफल हों।

सम्माननीय महोदय, अंत में मैं कॉलेज परिवार की ओर से पुनः आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ । यह हमारा परम सौभाग्य है कि आपने अपना बहुमूल्य समय इस कार्यक्रम के लिए प्रदान किया। अब मैं आपसे विनम्र निवेदन करता हूँ कि इस अवसर पर उपस्थित कॉलेज परिवार को संबोधित कर हम सबको अनुगृहीत करें और सम्मानित होनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान करें।

-

डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य)

<u>प्रवेश</u>

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित नियमों के अंतर्गत इस साल प्रथम वर्ष में 719 नए विद्यार्थियों का नामांकन किया गया। दिनांक 31-03-2018 तक विभिन्न कक्षाओं में विद्यार्थियों की कुल संख्या 2015 थी। उनका कक्षा-क्रमानुसार पूर्ण विवरण इस प्रकार है -

	प्रथम वर्ष	द्वितीय	तृतीय वर्ष
बी.ए.(प्रोग्राम)	257	221	224
बी.कॉम.(प्रोग्राम)	232	184	205
बी.कॉम.(आनर्स)	111	71	77
बी.ए.(आनर्स) राजनीति शास्त्र	50	39	96
बी.ए.(आनर्स) हिन्दी	32	46	36
बी.एस.सी.(गणित)	37	47	50
	719	608	688
		विद्यार्थियों की	2015

कुल संख्या =	

परीक्षा परिणाम- विगत वर्षों के समान इस वर्ष भी कॉलेज के सभी विद्यार्थियों का परीक्षा-परिणाम उत्कृष्ट रहा। उनमें से स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का परीक्षा-परिणाम इस प्रकार हैं:-

	Appeared	Passed	Percentage
बी.ए.(प्रोग्राम)	309	258	83.50
बी.कॉम.(प्रोग्राम)	193	176	91.19
बी.कॉम.(आनर्स)	103	89	86.41
बी.ए.(आनर्स) राजनीति शास्त्र	117	110	94.02
बी.ए.(आनर्स) हिन्दी	57	57	100
बी.एस.सी.(गणित)	131	129	98.47
	910	819	90%

कालेज के प्राध्यापक

अंग्रेजी विभाग

1. श्रीमती रेणुकाधर बज़ाज़
2. डॉ.(श्रीमती) मीता भटनागर
3. श्री जसपाल सिंह
4. श्रीमती प्रियंका चटर्जी
5. डॉ. (श्रीमती) ज्योत्स्ना प्रभाकर (अवकास पर)
6. सुश्री संगीता शर्मा
7. श्री अनिल कुमार
8. डॉ. विपिन प्रताप सिंह
9. डॉ. अमित कुमार भगत (तदर्थ)
10. डॉ. (श्रीमती) अनुभूति मिश्रा (तदर्थ)

हिन्दी विभाग

11. डॉ.(श्रीमती) रुक्मिणी
12. डॉ. (श्रीमती) राजकुमारी पाण्डेय
13. डॉ. (श्रीमती) आशा रानी
14. डॉ. ओंकार लाल मीणा
15. डॉ. हरीश अरोड़ा
16. डॉ. (श्रीमती) मीना शर्मा
17. डॉ. अनिल कुमार सिंह
18. डॉ. अनिरुद्ध कुमार
19. डॉ. (श्रीमती) डिम्पल गुप्ता (तदर्थ)
20. डॉ. पुनीत चाँदला (तदर्थ)

21. श्री बलवंत सिंह (तदर्थ)
22. श्रीमती बीना मीणा (तदर्थ)
23. डॉ. (श्रीमती) श्रुति रंजना मिश्रा (तदर्थ)

गणित विभाग

24. डॉ. जगमोहन राय
25. श्रीमती उदिता अग्रवाल
26. श्री हरि प्रताप
27. श्री आदित्य प्रताप सिंह (तदर्थ)
28. डॉ. दीपक कुमार पोरवाल (तदर्थ)
29. श्री उदय शर्मा (तदर्थ)
30. डॉ. (श्रीमती) कामिनी रावत (तदर्थ)

इतिहास विभाग

31. डॉ. संजय कुमार
32. डॉ. (श्रीमती) मृदुला अरोड़ा
33. डॉ. नागेन्द्र शर्मा
34. श्री मतिउर रहमान खान (तदर्थ)
35. श्रीमती श्रुति विप (तदर्थ)
36. श्री राजीव रंजन (तदर्थ)

राजनीति शास्त्र विभाग

37. डॉ. बासुकी नाथ चौधरी
38. श्री नीलोत्पल मृणाल
39. डॉ. शुभेन्दु रंजन राज
40. डॉ. ईशा वर्मा
41. डॉ. कृष्ण मुरारी
42. श्री बिनीत कुमार सिन्हा (तदर्थ)
43. सुश्री सना तस्लीम (तदर्थ)
44. श्री परमीत सिंह (तदर्थ)
45. श्री मनोज कुमार (तदर्थ)
46. श्री समशेर सिंह (तदर्थ)

वाणिज्य विभाग

47. श्री अमित कुमार
48. डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (**प्राचार्य**)
49. डॉ. (श्रीमती) अनीता बज़ाज़
50. डॉ. (श्रीमती) रुचिरा पाठक
51. श्री रमेश कुमार

52. श्रीमती पलविन्दर कौर बक्शी
53. श्रीमती सोनिया ढींगरा
54. डॉ. (श्रीमती) कृष्णा शुक्ला
55. डॉ. जयशंकर शर्मा (तदर्थ)
56. श्रीमती सोनिका नागपाल(तदर्थ)
57. डॉ. मुकेश कुमार (तदर्थ)
58. डॉ. करिश्मा सारस्वत (तदर्थ)
59. श्रीमती मीनाक्षी यादव (तदर्थ)
60. डॉ. अजय गर्ग (तदर्थ)
61. श्री गौत्तम झा (तदर्थ)
62. डॉ. चन्द्रकान्त कुशवाहा (तदर्थ)
63. श्री केवल सिंह (तदर्थ)
64. श्रीमती रिम्मी जैन (तदर्थ)
65. सुश्री गरिमा भारद्वाज (तदर्थ)
66. श्री नितीश बाग्दी (तदर्थ)

अर्थशास्त्र विभाग

67. श्रीमती अश्मा भाटिया
68. श्रीमती गीता अहूजा
69. श्रीमती दीपिका शर्मा (तदर्थ)

संस्कृत विभाग

70. डॉ. सत्यकाम शर्मा
71. श्री योगेश शर्मा (तदर्थ)

पर्यावरण अध्ययन विभाग

72. श्री मयंक पाण्डेय (तदर्थ)

शारीरिक शिक्षा विभाग

73. डॉ. प्रमोद कुमार सेठी

कार्यवाहक पुस्तकालयाध्यक्ष

74. श्री पवन कुमार मैठानी

NCC 2019- 2020

S.No	Camp	Place	Date	Participation	Achievements
1	Catc	R.K.Puram New Delhi	14may2019-23may 2019	40 Cadets Head By Cqms Vikas Kumar	1st Position in Inter College Volleyball

2	Snic	Leh Ladakh	27june2019-8july 2019	Suo Riya Mishra Cqms Vikas Kumar	1st Position in Debate, Painting Competition
3	Cm's Rally	Chatrasal Stadium New Delhi	1aug 2019-15aug 2019	Cpl Yogita,Lcpl Rahul, Cdt Jatin Katyal,Cdt Arvind Kumar,Cdt Nishant Bharat,Cdt Shashwat	2 Platoon Commander 4 Participated In Marching Contingent
4	Army Attachement Camp	Merut Cantt	1sep 2019-15sep 2019	17 Cadets Headed By Cqms Kundan	Participation
5	Swach Bharat Abhiyan	Nehru Nagar	02-09-2019	30 Cadets Headed By Juo Sonu	Participation
6	Thal Sainik Camp	Dgncc Delhi Cantt	1oct 2019-16oct 2019	Juo Lakshita, Cpl Gaurav Yadav, Cdt Shivani	Map Reading Line Area
7	Snic	Andra Pradesh	12oct 2019-23oct 2019	Sgt Mayank Kumar	2nd Position In Inter Directorate Basketball
8	Snic	Jaisalmer	1nov 2019-14nov 2019	Suo Akshat Dwivedi Cdt Pooja	Bagged 1st Position In Debate,
9	Para Basic Course	Agra, Up	1nov 2019-25nov 2019	Cqms Rahul	Participation
10	Amar Jawan Jyoti	National WarMemorial New Delhi	16nov 2019-24nov 2019	Juo Naina	Participation
11	Trekking	Maharashtra	27nov 2019-4dec 2019	Cqms Santosh	Bagged 1st Position In Tug Of War
12	Cm's Rally	Chatrasal Stadium New Delhi	14jan 2020-25jan 2020	Sgt Rajib Layek,Cdt Nilesh Saincdt Pawan,Cdt Rupesh, Cdt Giriraj,Cdt Ajay, Cdt Kishore Lakhera,Cdt Sudhir Singh	Participation
13	Republic Day Camp	Dgncc Delhi Cantt	1jan 2020-29jan 2020	Cpl Shashwat, Cpl Gaurav Yadav, Cpl Arvind Kumar, Cpl Jatin Katyal,Cdt Nishant Bharat, Cdt Yogita Barman,Cdt Aditi	2 Rajpath 1 Guard Of Hnr 4 Pm's Rally/2 Flag Area
14	Para Slithering	Dgncc Delhi Cantt	15jan 2020-29jan 2020	Cdt Shikha Thapa	Participation
15	Pm's Rally	Dgncc Delhi Cantt	15jan 2020-29jan 2020	Cdt Durga Cdt Priyanka	Participation

सांस्कृतिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की उपलब्धियां

Name	**Event**	**Level**	**Organized by**	**Achievements**
Sachin, BA(Prog) 2nd Year	Debate	Inter- College	Ramanujan College	First

Sachin, BA(Prog) 2nd Year	Tressure Hunt	Inter-college	Jesus & Mary College	Second
Sachin, BA(Prog) 2nd Year	Pictography	Inter-college	Venkateshwara College	Second
Shailesh Kumar Singh, BA(H)Hindi 2nd Year	Creative Writing	Inter-college	Satyawati College	Third
Amit Beniwal, B.Com(P)	Group Singing	Inter-college	Kirorimal College	Second
Vishal Kumar, B.Com(P)	Solo Singing	Inter-college	Deshbandhu College	Part. Certificate
Sahil kumar, B.Com(P)	Solo Singing	Inter-college	IIT Delhi	Part. Certificate
Birender	Solo Dance	Inter-college	IGDTU	Scond

नाट्य-गतिविधियों में विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

Name	Event	Level	Organized by	Achievements
नेपथ्य नाट्य मंडली	नुक्कड़ नाटक मंचन	अंतर महाविद्यालय	लिंग्याज विश्वविद्यालय, फ़रीदाबाद	द्वितीय
नेपथ्य नाट्य मंडली	नुक्कड़ नाटक मंचन	अंतर महाविद्यालय	ABES, गाज़िया बाद	तृतीय
नेपथ्य नाट्य मंडली	नुक्कड़ नाटक मंचन	अंतर महाविद्यालय	क्राइस्ट विश्वविद्यालय	द्वितीय
नेपथ्य नाट्य मंडली	नुक्कड़ नाटक मंचन	अंतर महाविद्यालय	ज़ाकिर हुसैन महाविद्यालय	द्वितीय
नेपथ्य नाट्य मंडली	नुक्कड़ नाटक मंचन	अंतर महाविद्यालय	उड़ान प्रतियोगिता	तृतीय
नेपथ्य नाट्य मंडली	नुक्कड़ नाटक मंचन	अंतर महाविद्यालय	FORE प्रबंधन स्कूल	तृतीय

खेल-क्षेत्र में विद्यार्थियों की उपलब्धियां-

Medals in Delhi University inter college Competitions

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	CLASS	Medals	GAME & SPORTS	POSTION
1.	Prince	B.A.(Prog.)3rd	Gold	Weight lifting	1st
2.	Chandraskhekhar Bhatia	B.A.(Prog.) 1st	Bronze	Judo	3rd
3.	Harsh Ritolia	B.A.(Prog.)1st	Bronze	Judo	3rd
4.	Abhimanyu Maurya	B.Sc maths (Hons) 3rd	Bronze	Taekwondo	3rd

Junior& Senior National Competitions in different Sports & Games

1.	Ujjwal Kumar	B.A (Prog) 2nd	Kabaddi	Amateur Kabaddi Federation of India and West Bengal Kabaddi Association Kolkata	45th Junior National Kabaddi Championship 2019.	Participated

2.	**Abhiskek**	**B.A (Prog) 1st**	**Shooting (10 M Pistol)**	**National Rifle Association of India and M.P Rifle Association held at Bhopal**	**63rd National Shooting Championship 2020.**	**Participated**

कॉलेज द्वारा छात्रों को प्रदत पुरस्कार -

1. **बी.के.गुप्ता-विमला देवी स्मृति छात्रवृत्ति**
2. **श्री जगन्नाथ मधोक स्मृति पुरस्कार**
3. **श्री गुरूदत्त शर्मा स्मृति पुरस्कार**
4. **श्रीमती श्याम अग्रवाल स्मृति पुरस्कार**
5. **श्रीमती मथुरा बाई स्मृति पुरस्कार**
6. **श्री राज नारायण गोयल स्मृति पुरस्कार**
7. **डॉ. नित्यानंद शर्मा स्मृति पुरस्कार**
8. **श्री के.एल. अग्रवाल स्मृति पुरस्कार**
9. **श्री रामचन्द्र गुप्त एवम् शांतिदेवी स्मृति पुरस्कार**
10. **श्री आर.सी. आनंद स्मृति पुरस्कार**
11. **श्रीमती शांति देवी मधोक एवंम् श्री राजेन्द्रनाथ मधोक स्मृति पुरस्कार**
12. **श्रीमती शांति देवी मधोक एवम् श्री राजेन्द्रनाथ मधोक द्वारा प्रदत सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार**
13. **श्री द्रौपदी देवी एवम् श्री राजपाल शर्मा स्मृति पुरस्कार**
14. **श्रीमती मधु शर्मा स्मृति पुरस्कार**
15. **श्रीमती रुक्मिणी देवी शर्मा स्मृति पुरस्कार (दो पुरस्कार)**
16. **डॉ. भाई महावीर मेमोरियल पुरस्कार**